राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार , 27 अगस्त 2025

वर्ष 16, अंक 52, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

सिसेंडी चौकी प्रभारी की लापरवाही से नहीं दर्ज हुआ चोरी का मुकदमा..03

इस बार बाढ़ नहीं आई, फिर भी मच गई तबाही !..04

कांग्रेस-सपा ने लिया सबका साथ मगर किया सिर्फ अपने परिवार का विकास- योगी ने एटा में विपक्ष पर बोला हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एटा में कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) ने सत्ता के लिये सबका साथ लिया मगर विकास सिर्फ अपने अपने परिवारों का किया है। एटा में 750 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित सीमेंट प्लांट के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि पहले भारत को मुगलों ने लूटा, फिर अंग्रेजों ने तबाह किया और जो कुछ बचा रह गया, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने तबाही का नया मंजर पैदा कर देश के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। आज डबल इंजन सरकार की साफ नीयत, स्पष्ट नीति और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की वजह से उत्तर प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है।

इनकी नीयत कभी सबके विकास की नहीं रही

योगी ने कहा कि कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, इनकी नीयत कभी सबके विकास की नहीं रही। इन्होंने साथ तो सबका लिया, लेकिन विकास सिर्फ अपने परिवार का किया। इनके समय में न व्यापारी सुरक्षित था, न बेटी सुरक्षित थी। यही वजह रही कि देश और प्रदेश पिछड़ते चले गए। उन्होंने कहा कि आज मोदी सरकार और डबल इंजन की यूपी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास के मंत्र से देश और प्रदेश को नई पहचान दी है। उन्होने कहा कि 8-9 साल पहले एटा की पहचान अपराध और माफिया के गढ़ के रूप में थी। गरीबों की जमीन पर कब्जा होता था, उनकी सुनवाई नहीं होती थी। जब नागरिक की संपत्ति ही सुरक्षित न हो, तब सरकार उसके कल्याण के लिए क्या करेगी। यही स्थिति तब थी। लेकिन आज एटा बेहतरीन कानून व्यवस्था और निवेश की नई पहचान बना है।

सीमेंट परिवार ने 750 करोड़ रुपये का नया प्लांट लगाया

उन्होंने कहा कि सरकार के स्तर पर जवाहरपुर थर्मल पावर प्लांट से 1500 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है और उसके बगल में सीमेंट परिवार ने 750 करोड़ रुपये का नया प्लांट लगाया है। इससे 500 लोगों को प्रत्यक्ष और 3000 से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस निवेश से सिर्फ सीधे रोजगार ही नहीं, बल्कि ट्रांसपोर्ट, व्यापार और डिस्ट्रीब्यूशन चैनल से जुड़े हजारों लोगों को भी काम का अवसर मिला है। यही है आत्मनिर्भर भारत की नींव, यही है विकसित भारत की आधारशिला।

भारत 17वीं-18वीं सदी में दुनिया की नंबर-1 अर्थव्यवस्था था

सीएम योगी ने कांग्रेस काल को याद करते हुए कहा कि एक समय ऐसा था जब सीमेंट कंट्रोल से मिलता था। अगर पहुंच है तो एक बोरा मिल जाएगा, वरना चोरी-छिपे खरीदना पड़ता था। घर बनाना मुश्किल था। यही कांग्रेस की नीयत और नीति थी। विकास कैसे होता। योगी ने कहा कि भारत 17वीं-18वीं सदी में दुनिया की नंबर-1 अर्थव्यवस्था था। 1947 से 1960 तक छठे स्थान पर रहा, लेकिन कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की नीतियों ने इसे 2014 तक 11वें स्थान पर पहुंचा दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने "सबका साथ, सबका विकास" का मंत्र दिया और आज भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अगले दो वर्षों में यह तीसरे स्थान पर होगा।

सत्ता पोषित गुंडों-माफिया पर कार्रवाई हुई

दुनिया के सामने भारत का नया गौरवशाली चेहरा उभरेगा। योगी ने कहा कि 2017 में जब उनकी सरकार बनी तो उत्तर प्रदेश देश की सातवीं अर्थव्यवस्था था। आज यूपी दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। यह तब हुआ जब सत्ता पोषित गुंडों-माफिया पर कारवाई हुई, दंगाइयों के खिलाफ कठोर कदम उठे और निवेशकों में विश्वास पैदा हुआ।

पुलिस बल में 60,244 युवाओं की भर्ती हुई

उन्होंने कहा कि यूपी अब तक 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आकर्षित कर चुका है, जिनमें से 15 लाख करोड़ जमीनी धरातल पर उतारे गए हैं। इससे अब तक 60 लाख युवाओं को रोजगार मिला है। उन्होंने बताया कि हाल ही में पुलिस बल में 60,244 युवाओं की भर्ती हुई है, जिसमें एटा के भी युवा शामिल हैं। नौकरी बिना भेदभाव, बिना चेहरा देखे, सिर्फ योग्यता के आधार पर दी जा रही है। साथ ही मुख्यमंत्री युवा योजना के तहत 70,000 युवाओं को ब्याज और गारंटी मुक्त ऋण तथा मार्जिन मनी दी गई है ताकि वे अपना उद्यम स्थापित कर सकें।

मंत्री संजय सरावगी का तीखा प्रहार- वोटर अधिकार यात्रा पर जमकर साधा निशाना, बोले- प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री चुनने के लिए हो रही है.....

बिहार सरकार के भूमि और राजस्व सुधार मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता संजय सरावगी ने कहा है कि बिहार में चल रही वोटर अधिकार यात्रा वास्तव में विपक्ष के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री चुनने के लिए हो रही है। सरावगी ने कहा कि बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को प्रधानमंत्री का उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं और तेजस्वी यादव अपने नाम की घोषणा का इंतेजार कर रहे हैं।

कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल पर जमकर बोला हमला

मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि इंडिया गठबंधन की झूठ का बारी बारी से खुलासा हो रहा है। उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव को ले कर सीडीएस के प्रमुख संजय कुमार के ट्वीट की चर्चा की और कहा, उन्होंने अपना ट्वीट हटा लिया है,ऐसी स्थिति में क्या राहुल गांधी माफी मांगेंगे। सरावगी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भागवत झा आजाद के पुत्र कीर्ति आजाद के उंस वक्तव्य को याद कीजिए जिसमे उन्होंने कहा था कि उनके कांग्रेसी पिता के जमाने मे चुनाव बूथ लूट कर जीता जाता था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के जमाने मे बूथ लूटना, छापना, बैलट पेपर फाड़ना और बक्सों को नाली में फेंक देना सरेआम होता था। उन्होंने कहा कि यह बड़े आश्चर्य की बात है कि ऐसे लोग और दल संविधान और वोटर अधिकार की बात कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि इतिहास को पढ़े तो सारे कुकृत्य मिल जाते हैं।

"RJD का इतिहास ही असामाजिक तत्वों को बढ़ावा देने का रहा"

भूमि और राजस्व सुधार मंत्री ने कहा बिहार में सबसे पहला बूथ लूट 1957 में बेगूसराय के बलिया में हुआ था, जब लोकसभा के चुनाव में प्रत्याशी सरयू सिंह के लिए कुख्यात माफिया कामदेव सिंह ने बूथ लूटा था और उनको विजयी बनाया था। उन्होंने कहा कि जिस बाबा साहब की आज विपक्ष दुहाई दे रहा है उन्ही को कांग्रेसियों ने गलत ढंग से चुनाव में हरा दिया था। सरावगी ने कहा कि राजद का इतिहास ही असामाजिक तत्वो को बढ़ावा देने का रहा है। उन्होंने कहा कि सिवान के बाहुबली शहाबुद्दीन के लिए तेजस्वी अमर रहे का नारा लगाते हैं।

नेता प्रतिपक्ष के भाई तेजप्रताप ने तो इसे जयचंदो की यात्रा कहा- मंत्री संजय सरावगी

सरावगी ने कहा कि वोटर अधिकार यात्रा के दौरान ही राहुल-तेजस्वी की संवेदनहीनता दिख रही है। उन्होंने कहा कि यात्रा के तीसरे दिन एक पुलिसकर्मी उनकी गाड़ी के नीचे आ गया लेकिन दोनों नेताओं ने उसका कुशलक्षेम तक नही पूछा। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के भाई तेजप्रताप ने तो इसे जयचंदो की यात्रा कहा है। सरावगी ने कहा कि वोटर अधिकार यात्रा में उमड़ी भीड़ से कोई मुगालते में नही रहे, लोग जोकर को भी देखने के लिए उमड़ आते हैं। उन्होंने कहा कि मशहूर मुख्य चुनाव आयुक्त टी एन शेषन को रस्सी में बांधने की बात करने वाले लालू प्रसाद के पुत्र जब संविधान की बात करते हैं तो हंसी आती है। मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद चुनाव आयोग ने मतदाता सूची से कटे सभी 65 लाख लोगों का ब्यौरा जारी कर दिया है और इस कदम के बाद शिकायत दूर ही गई है। उन्होंने कहा कि सभी जिलों के जिलाधिकारियों ने अपने इलाके के जनप्रतिनिधियों को बुला कर सम्बंधित जानकारी साझा की है। उन्होनें कहा कि वोटर अधिकार यात्रा में शामिल नेता आगमी बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम से वाकिफ हैं और उनकी कुंठा बार बार बाहर आ रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

'पुलिस मेरी जेब में है'... सेना के जवान की पत्नी को बिल्डिंग माफिया की धमकी, कहा- फर्जी केस में फंसा दूंगा

लखनऊ- उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ धोखाधड़ी और धमकी का मामला सामने आया है। आरोप है कि मोरंग सप्लाई के नाम पर पैसे लेकर आधा माल देने के बाद महिला को धमकाया गया और उसके भवन निर्माण को रुकवा दिया गया।

मोरंग डीलर ने पैसे लेकर माल नहीं दिया

बता दें कि रुद्र डायमंड सिटी कॉलोनी की रहने वाली अर्चना देवी ने 21 अगस्त को दोपहर 1:30 बजे कृष्णा ट्रेडर्स से 2,000 में मोरंग खरीदी थी। व्यापारी मोहित और उसके ड्राइवर ने एक ट्रॉली मोरंग डालने के बाद आगे माल देने से मना कर दिया। जब अर्चना देवी ने इसका विरोध किया, तो उन्हें वॉट्सऐप और कॉल पर अश्लील गालियां दी गई और जान से मारने की धमकी दी गई। आरोपियों ने कहा, "पुलिस मेरी जेब में है, तुम्हारा मकान नहीं बनने दूंगा," और उन्हें झूठे एससी-एसटी एक्ट के मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी।

लखनऊ में बच्चों के साथ अकेली रहती है महिला

गौरतलब है कि अर्चना देवी के पति भारतीय सेना में तैनात हैं और वह लखनऊ में बच्चों के साथ अकेली रहती हैं। धमकियों के बाद से उनका मकान निर्माण कार्य ठप है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। इस मामले में बिजनौर थाने में शिकायत दर्ज कर ली गई है। पुलिस जांच में जुटी है।

कैंटीन से चाय पीने वाली मेडिकल छात्रा की हालत अभी भी नाजुक, वेंटिलेटर पर

रांची- झारखंड के रांची स्थित शीर्ष स्वास्थ्य संस्थान राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में प्रथम वर्ष की स्नातकोत्तर छात्रा अस्पताल की कैंटीन से कथित तौर पर चाय पीने के बाद बीमार पड़ गई थी। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। वह अभी भी वेंटिलेटर पर है। अधिकारियों के अनुसार 25 वर्षीय छात्रा बृहस्पतिवार रात ड्यूटी के दौरान ओर्थोपेडिक वार्ड के पास स्थित कैंटीन से चाय मंगाकर पीने के बाद अचानक बीमार पड़ गयी थी। उसे तत्काल गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया जहां उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि चाय का नमूना जांच के लिए रांची स्थित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) भेजा गया है और कैंटीन कर्मी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है। संस्थान के प्रवक्ता ने पहले कहा था कि यह संभवतः खाद्य विषाक्तता का मामला है। रिम्स के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राजीव रंजन ने कहा कि "यह मामला साधारण खाद्य विषाक्तता का नहीं बल्कि रासायनिक विषाक्तता प्रतीत होता है।" उन्होंने बताया कि छात्रा की स्थिति गंभीर है, लेकिन स्थिर है। कैंटीन को सील कर दिया गया है और पुलिस ने एक कर्मचारी को हिरासत में लिया है।

झारखंड विधानसभा में उठी दिशोम गुरु को भारत रत्न देने की मांग, सदन में छलके उठे CM हेमंत सोरेन के आंसू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र आज से शुरू हो गया है और यह 28 अगस्त तक चलेगा। सत्र के पहले दिन 4296 करोड़ 62 लाख रुपये का पहला अनुपूरक बजट पेश किया गया। इसके अलावा सदन में शिबू सोरेन की आदमकद प्रतिमा और भारत रत्न देने की मांग भी उठी। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सदन में चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 4296 करोड़ 62 लाख रुपए से अधिक का प्रथम अनुपूरक बजट पेश किया। सत्र शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड विधानसभा स्थित स्पीकर कक्ष में विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो का अभिनंदन किया। इसके अलावा सत्र शुरू होने से पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन, शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन आदि के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। इसके बाद सदन की कार्यवाही

सोमवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

विधानसभा परिसर में शिबू सोरेन की आदमकद प्रतिमा और भारत रत्न देने की मांग भी उठी। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग की। उन्होंने कहा कि विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर भारत सरकार को भेजा जाए। साथ ही उन्होंने गुरुजी की संघर्ष गाथा और जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग की। पक्ष-विपक्ष के प्रमुख नेताओं ने दुख जताते हुए बताया कि शिबू सोरेन का विशाल व्यक्तित्व था। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आंखों में आंसू छलकने लगे। इस दौरान वो काफी भावुक नजर आए और रुमाल से आंसू पोंछते रहे। उल्लेखनीय है कि झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र पहले 1 अगस्त से 7 अगस्त तक निर्धारित था और इसका शुभारंभ 1 अगस्त को हुआ भी था, लेकिन 4 अगस्त को दिशोम गुरु और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन के कारण सत्र को तत्काल प्रभाव से अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था।

कॉलेज से लौट रही 21 साल की छात्रा का आवारा कुत्तों ने नोंच लिया चेहरा... 17 टांके लगाए, अब कभी आईने में नहीं देख पाएगी चेहरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

एक बार फिर आवारा कुत्तों का आतंक कानपुर की सड़कों पर नजर आया है। इस बार शिकार बनी है एक 21 वर्षीय बीबीए की छात्रा, जो कॉलेज से घर लौट रही थी। शहर के श्याम नगर इलाके में दिनदहाड़े हुई इस भयावह घटना ने न सिर्फ छात्रा को मानसिक और शारीरिक रूप से झकझोर दिया, बल्कि इलाके के लोगों में भी दहशत का माहौल बना दिया है।

पार्क के पास हुआ हमला

घटना 20 अगस्त की है। बीबीए फाइनल ईयर की छात्रा वैष्णवी साहू, जो एलन हाउस रूमा कॉलेज की छात्रा है, अपने रोजमर्रा के रूटीन के अनुसार कॉलेज से पैदल घर लौट रही थी। जैसे ही वह श्याम नगर के मधुवन पार्क के पास पहुंची, वहां कुछ बंदर और आवारा कुत्ते आपस में लड़ रहे थे। उसी दौरान तीन कुत्तों ने अचानक छात्रा पर हमला कर दिया।

चेहरे पर झपटे कुत्ते, गाल को चीर डाला

कुत्तों ने पहले छात्रा को पीछे से घेरा और फिर उसके चेहरे पर झपट पड़े। हमले के दौरान उसका दाहिना गाल बुरी तरह फट गया और मांस लटकने लगा। नाक और शरीर पर भी कई जगह गहरे जख्म आए हैं। दर्द और डर के मारे छात्रा ने बचने की पूरी कोशिश की लेकिन कुत्ते बार-बार उसे गिराकर नोचते रहे।

स्थानीय लोगों ने बचाई जान, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

छात्रा की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग लाठी-डंडे लेकर दौड़े और किसी तरह कुत्तों को भगाया। खून से लथपथ हालत में उसे तुरंत पास के काशीराम अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि चेहरे और नाक पर गंभीर चोटें हैं और उसे 17 टांके लगाने पड़े। इलाज जारी है, लेकिन वह न तो खाना खा पा रही है और न बोल पा रही है। फिलहाल उसे लिक्विड डाइट दी जा रही है।

परिवार का दर्द - अब बच्ची को आईना देखने से भी डर लगता है

छात्रा के चाचा आशुतोष ने बताया कि उनके दिवंगत भाई की बेटी वैष्णवी अब खुद को लेकर डरी हुई है। उसका आत्मविश्वास टूट गया है और वह लगातार रो रही है। परिजनों ने सरकार से मांग की है कि सड़कों पर घूमते इन खतरनाक जानवरों पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए।

इलाके में दहशत, प्रशासन पर उठे सवाल

घटना के बाद से श्याम नगर और आसपास के मोहल्लों में लोग खौफ में हैं। कई परिवारों ने बच्चों को अकेले बाहर भेजना बंद कर दिया है। लोगों का कहना है कि पहले भी ऐसे हमले हुए हैं लेकिन नगर निगम और प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

स्थानीयों की मांग - हो सख्त कार्रवाई

स्थानीय निवासियों की मांग है कि इन आवारा कुत्तों को या तो शहर से बाहर शिफ्ट किया जाए या फिर उन्हें किसी शेल्टर होम में रखा जाए। लोग यह भी चाहते हैं कि जिम्मेदार अधिकारियों पर लापरवाही का मामला दर्ज किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

निक्की मर्डर केस मामला- आरोपी पति का एनकाउंटर! पुलिस हिरासत से भाग रहा था विपिन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नोएडा- उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में महिला को ससुरालजनों द्वारा कथित तौर पर हत्या मामले में आरोपी पति का हाफ-एनकाउंटर कर दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की उसके बाद पुलिस ने विपिन को रोकने का प्रयास किया लेकिन आरोपी नहीं रुका । इस पर पुलिस ने आरोपी पति का हाफ-एनकाउंटर कर दिया। आप को बता दें कि नोएडा में एक महिला के साथ उसके ससुराल वालों ने कथित तौर पर मारपीट की, उसके बाल पकड़कर घसीटा और उसकी बहन और बेटे के सामने उसे आग लगा दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोप है कि आरोपी पुलिस हिरासत से भाग रहा इस पर पुलिस ने उसके पैर में गोली मार दी। जबकि अन्य की तलाश जारी है।

मेरी मम्मी के ऊपर कुछ डाला, फिर उनको चांटा मारा

पीड़िता के बेटे (लगभग छह साल) ने कहा, "मेरी मम्मी के ऊपर कुछ डाला, फिर उनको चांटा मारा फिर लाइटर से आग लगा दी।" यह घटना बृहस्पतिवार रात को हुई थी। इस भयावह घटना के दो वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में, एक पुरुष और एक महिला पीड़िता के साथ मारपीट करते और उसे बालों से घसीटते हुए घर से बाहर ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। दूसरे वीडियो में, आग लगाने के बाद महिला लंगड़ाते हुए सीढ़ियों से नीचे उतरती हुई दिखाई दे रही है।

दो बहनों की शादी एक घर में हुई

पुलिस ने बताया कि पीड़िता की बड़ी बहन कंचन जिसकी शादी उसी परिवार में हुई थी, ने ग्रेटर नोएडा के कासना पुलिस थाने के अंतर्गत सिरसा गांव में हुई घटना का वीडियो बनाया था। पुलिस ने बताया कि पीड़िता की पहचान निक्की के रूप में हुई है। मीडिया को संबोधित करते हुए कंचन ने दावा किया कि उसकी छोटी बहन की हत्या उसके पति विपिन और ससुराल वालों ने 36 लाख रुपये की दहेज की मांग पूरी न होने पर कर दी।

पहले बहन को बुरी तरह पीटा फिर आग लगा दी

विपिन के भाई की पत्नी कंचन ने दावा किया कि बृहस्पतिवार की रात को उसे बुरी तरह पीटा गया और आग लगा दी गई। उन्होंने कहा, "हमें पिछले कई दिनों से दहेज के लिए पीटा और प्रताड़ित किया जा रहा था। वे दहेज में 36 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। उन्होंने मेरी बहन के साथ अत्याचार किया।" अपनी बहन के बेटे को गोद में लिए रोती हुई कंचन ने कहा, "उन्होंने उसकी गर्दन और सिर पर मारा और उस पर तेजाब फेंका। हमारे बच्चे भी उसी घर में थे। मैं कुछ नहीं कर सकी। उन्होंने मुझे भी प्रताड़ित किया।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही महिला की हुई मौत

ग्रेटर नोएडा के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) सुधीर कुमार ने कहा, "21 अगस्त को हमें फोर्टिस अस्पताल से फोन आया जिसमें बताया गया कि जलने से घायल एक महिला को भर्ती कराया गया है और उसे सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया है। पुलिस तुरंत सफदरजंग अस्पताल के लिए रवाना हुई, लेकिन टीम के अस्पताल पहुंचने से पहले ही महिला ने दम तोड़ दिया।

आरोपी पति करना चाहता था दूसरी शादी

कंचन ने बताया कि उनके ससुराल वाले चाहते थे कि उनकी बहन चली जाए ताकि विपिन की दोबारा शादी हो सके। उन्होंने कहा, "उन्होंने मुझे थप्पड़ मारे। मैं घायल हो गई... पूरे दिन बेहोश रही।" कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। उन्होंने कहा, "परिवार ने महिला का अंतिम संस्कार कर दिया।

जानिए घटना पर क्या बोली पुलिस

पीड़िता की बहन की शिकायत के आधार पर, कासना थाने में पीड़िता के पति और उसके परिवार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।" अधिकारी ने कहा, "विपिन को गिरफ्तार कर लिया गया है और बाकी आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम गठित कर दी गई हैं। उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।"

राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र का निधन, सीएम योगी ने जताया दुख

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ/अयोध्या- अयोध्या राजघराने के बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र का शनिवार देर रात निधन हो गया। उन्हें राजा अयोध्या के नाम से जाना जाता था। उन्होंने कल रात अंतिम सांस ली। वह करीब 75 वर्ष के थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।

सीएम योगी ने किया पोस्ट

सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट किया "श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य, राजसदन अयोध्या के मुखिया विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र जी का निधन अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ओम शांति।"

वे राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले वरिष्ठ सदस्य थे

गौरतलब है कि मिश्र बाबरी मस्जिद विवाद पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के

बाद संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई घोषणा के अनुसार गठित श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले वरिष्ठ सदस्य थे। शनिवार रात 11 बजे अयोध्या धाम स्थित उनके राज सदन में आकस्मिक निधन हो गया। उनके अंतिम दर्शन के लिए उनके करीबी लोग और प्रशासनिक अमला देर रात पहुँचा। उनके निधन से अयोध्या में शोक की लहर दौड़ गई।

देर रात BP अचानक हुआ कम '

उनके छोटे भाई और पूर्वांचल के सबसे बड़े महाविद्यालय साकेत महाविद्यालय की प्रबंध समिति के संरक्षक शैलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र चुन्नू ने बताया कि रात 11 बजे राजा अयोध्या का रक्तचाप अचानक कम हो गया। परिवार के सदस्यों ने उन्हें इलेक्ट्रोलाइट और अन्य दवाइयाँ दीं। अयोध्या धाम के श्रीराम अस्पताल से पारिवारिक चिकित्सक डॉ. बीडी त्रिपाठी को भी बुलाया गया। लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो गई। राजा अयोध्या का कुछ दिन पहले रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन हुआ था और वे तीन दिन पहले लखनऊ में जांच करवाकर लौटे थे। कुछ दिन पहले उनकी पत्नी का भी निधन हो गया था। आज दोपहर सरयू नदी के तट पर उनका अंतिम संस्कार होने की उम्मीद है।

श्री प्रताप धर्म सेतु ट्रस्ट के अध्यक्ष भी थे मिश्र

राम मंदिर ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य, बहुजन समाज पार्टी से अयोध्या लोकसभा क्षेत्र से चुनाव भी लड़ चुके हैं। उनके पुत्र यतींद्र मोहन प्रताप मिश्र एक प्रसिद्ध संगीत विद्वान और कवि हैं। उन्होंने प्रसिद्ध गायिका लता मंगेशकर पर 'लता सुर गाथा' नामक एक प्रसिद्ध पुस्तक लिखी थी। इसके लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। जब राम मंदिर पर सर्वोच्च न्यायालय का अंतिम फैसला आया, तो बिमलेंद्र प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चुने गए पहले वरिष्ठ सदस्य थे। पहला कार्यभार उन्हें अयोध्या के कमिश्नर ने सौंपा था, जो उस समय तक श्रीराम जन्मभूमि परिसर के रिसीवर थे। वे श्री प्रताप धर्म सेतु ट्रस्ट के अध्यक्ष भी थे।

नाम नहीं, काम की संस्कृति

भारत बहुत प्राचीन देश है। यहां की सांस्कृतिक विविधता ही हमारी पहचान है। आजादी का शतकीय महोत्सव, जो हम वर्ष 2047 में मनाने वाले हैं, उसके लक्ष्य में भी यही इच्छा है कि भारत विकसित राष्ट्र बनने के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक गरिमा को बनाए रखकर विश्वगुरु की भूमिका निभाए। वर्तमान सरकार की भी यह घोषणा है कि अपने देश में जिस विकास की नींव हम रख रहे हैं, उसका सुफल हजारों वर्षों तक मिलेगा तथा हमारी सांस्कृतिक गरिमा और भव्यता बनी रहेगी। बहुत-सी बातें हैं जिनके बल पर हम इस दावे को प्रमाणित करना चाहते हैं। भारत एक युवा देश है और इसकी आधी आबादी कार्यशील उम्र अवधि में है। इसलिए अगर यह आधी आबादी काम पर या राष्ट्र निर्माण में लग जाए तो भारत को दूसरे देशों से आगे निकलने में देर नहीं लगेगी। मगर, हमारी अर्थव्यवस्था के प्रशस्ति गायकों का यह मत है कि हम दुनिया के विभिन्न देशों के मुकाबले काफी अच्छी स्थ में पहुंच गए हैं और अब जरूरत है अर्थव्यवस्था में कुछ और करने की। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और आने वाले दिनों में इसके सुखद परिणाम सामने आएंगे। अब देखना यह है कि विकसित भारत का सपना दिखाने वाले लोग क्या देश में काम की संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के लिए अपने कर्त्तव्य का पालन कर रहे हैं। अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सर्वेक्षण रपट आई है, जिसमें विभिन्न देशों की मेहनत वृत्ति या काम करने की अवस्था का आकलन किया गया है। इसमें कहा गया है कि भारत में कम से कम आधी आबादी काम के बजाय आराम करना पसंद करती है, क्योंकि मुफ्तखोरी और अनुकंपा संस्कृति का चलन बढ़ रहा है। एक और बात सामने आई है कि भारत में बहुत सारे लोगों की मेहनत को श्रेय या पारिश्रमिक ही नहीं मिलता है। जैसे महिलाएं इस देश की आबादी का करीब आधा हिस्सा हैं। इनमें से ज्यादातर की मेहनत को घर का सामान्य कामकाज ही समझा जाता है। इस काम के लिए उन्हें अलग से कोई नियत वेतन नहीं मिलता। ये महिलाएं दिनभर काम में व्यस्त रहने के बावजूद अपने लिए कोई अलग आर्थिक संबल प्राप्त नहीं कर पातीं। इसमें संदेह नहीं कि आज भी जो बेकारी के आंकड़े सामने आते हैं, उनमें ग्रामीण बेरोजगारी के बाद शहरी बेरोजगारी में भी वास्तविक अर्थों में कोई कमी होती नजर नहीं आ रही। चाहे औपचारिक घोषणाओं में हम यह कहते रहें कि हमने हजारों खाली पद भर लिए हैं, लेकिन प्रश्न यह नहीं है कि हमने कितने खाली पद भरे, बल्कि देश की युवा संतति के कामकाज के लिए कितनी नई कार्य व्यवस्थाएं सृजित की गई। देश के वार्षिक बजट में के आय-व्यय ब्योरे में हम कितनी उन नई योजनाओं की घोषणा कर पाए, जिनमें युवा पीढ़ी को काम मिले। बेशक बजट में और इसके बाद नेताओं के भाषणों में यह कहा जाता है कि देश मध्यम और लघु उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा, क्योंकि इनमें साधारण नागरिकों को रोजगार देने की क्षमता है। पिछले दिनों केंद्रीय गृहमंत्री ने भी एक वक्तव्य दिया कि देश में सहकारिता की भावना को विकसित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिल सके। लेकिन जब हम वास्तविकता का अवलोकन करते हैं तो पाते हैं कि मध्यम और कुटीर उद्योगों के विकास में भी बड़े पूंजीपतियों के निवेश का प्रवेश हो गया है, क्योंकि, सरकार की नीति निजी क्षेत्र को अधिक से अधिक प्रोत्साहन देने की है। सहकारिता आंदोलन के विकास के बारे में बहुत से औपचारिक बयान दिए जाते हैं, लेकिन असलियत यह है कि सहकारिता की भावना को किसी भी समर्पित स्तर पर देश में अपनाया नहीं जा सका है। न तो कृषि और न ही उद्यम क्षेत्र में देश में नवउद्यमों की बहुत बात होती है। नवउद्यम वे उद्योग हैं, जिनमें नए निवेशकों को काम करने का अवसर मिलता है और नवाचार या नव अन्वेषण को प्रोत्साहित किया जाता है। लेकिन नवउद्यमों का हाल भी बहुत अच्छा नहीं है। धनी लोग जो बैंकिंग सहायता से इन उद्योगों में में सक्रिय योगदान दे सकते अदान दे सकते हैं, उनकी भागीदारी कम हो रही है। कृत्रिम मेधा और डिजिटल क्षेत्र के विकास के साथ- साथ अल्प पूंजी वाले निवेशकों का फीसद इसमें कम होता जा रहा है। उधर, शुल्क संघर्ष में विदेशी व्यापार इस तरह से करवट बदलता नजर आ रहा है कि लगता है भारत के निवेशकों को लागत पूरा न होने और निर्यात घटने के संशय से औद्योगिक सक्रियता कम करनी होगी। इसीलिए अब जो नए आंकड़े रेटिंग एजेंसी मूडीज की ओर से आए हैं, उनमें यह कहा गया है कि भारत की इस वर्ष की आर्थिक विकास दर 6.5 फीसद से कम होकर छह फीसद तक रह सकती है। यह कोई संतोष की बात नहीं है कि हमारी विकास दर अभी भी दुनिया में सबसे अधिक है। देखना होगा कि जो पीढ़ी काम कर सकती हैं, क्या इस विकास दर ने उन्हें काम दिया? अगर आय और संपदा का समुचित बंटवारा हो जाता, तो निश्चय ही यह विकास दर बेरोजगारों को रोजगार देती। आजकल लगता है कि देश में दावा संस्कृति या नाम संस्कृति का बोलबाला हो गया है। अभी सरकार की ओर से बयान आया कि हम जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने जा रहे हैं। यह बयान तो पहले ही आ गया था कि हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन चुके हैं। लेकिन आर्थिक सामर्थ्य का यह बड़प्पन क्या देश में काम करने वालों के लिए काम की संस्कृति पैदा रहा है? क्या ? क्या हमने देश %हर नौजवान के लिए उसकी योग्यता के अनुसार काम के अवसर सृजित किए हैं? जवाब है, नहीं यह बात सच है कि हमने किसी भी व्यक्ति को भूख से न मरने देने की गारंटी दे रखी रखी है। । इस गारंटी को पूरा करने के लिए हमने रियायती रेवड़ियां बांटना जारी रखा है। इसके लिए सभ्य नाम उदार संस्कृति हैं और आर्थिक नाम अनुकंपा । संस्कृति है। वर्ष 2029 तक हमने सस्ता खाद्यान्न प्रदान करने की नीति को बढ़ा ही दिया है। असर यह हुआ है कि नौजवानों का दबाव रोजगार खिड़कियों से हटकर रियायती अनाज बांटने वाली खिड़कियों की ओर हो गया है। ज्यों-ज्यों चुनावी एजेंडों में नई अनुकंपा योजनाओं की घोषणा होती है, त्यों-त्यों भारत के दुनिया के सबसे बड़े देशों में गिने जाने की संभावना मजबूत होती है, जो अपनी 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज बांटता है। मगर, अपने आप में क्या यह कार्य संस्कृति से हटना नहीं ? जापान और चीन ने जितनी तरक्की की है, वह इसीलिए संभव हो सका कि वहां काम की संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता है। हमारे यहां तो नाम संस्कृति कह लीजिए या रेकार्ड बनाने की संस्कृति कि हमने सबसे अधिक आबादी को रियायती अनाज दे दिया। ऐसे में जरूरी है कि काम की तलाश में विदेश जा रही हमारी युवा पीढ़ी को देश में ही राष्ट्र निर्माण में लगाया जाए। मगर उसके लिए देश के नीति निर्माताओं को घोषणा संस्कृति से हटकर कार्य संस्कृति को लेकर प्रतिबद्ध होना पड़ेगा और प्राथमिकताओं की तस्वीर को जरूरत के हिसाब से बदलना होगा।

विजय गर्ग

सुरक्षित समाज की राह - गेमिंग बिल संग पोर्न पर सख्ती

युवा शक्ति की रक्षा -हिंसक गेमिंग और पोर्न पर भी रोक जरूरी

डिजिटल युग ने हर घर को नई संभावनाओं से जोड़ा है, मगर इस चमक के पीछे कुछ गहरे खतरे भी छिपे हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट ने शिक्षा, संचार और मनोरंजन के रास्ते खोले, लेकिन ऑनलाइन गेमिंग की लत और अश्लील सामग्री का बढ़ता प्रसार युवा पीढ़ी को गंभीर खतरे में डाल रहा है। पबजी, फ्री फायर जैसे हिंसक गेम्स और अनियंत्रित वेबसाइटें न केवल मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही हैं, बल्कि सामाजिक मूल्यों को भी कमजोर कर रही हैं। यह महज मनोरंजन नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक संकट है। इसलिए ऑनलाइन गेमिंग बिल के साथ-साथ हिंसक और अश्लील सामग्री पर सख्त नियंत्रण लागू करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है, ताकि हमारी युवा शक्ति सुरक्षित रहे और डिजिटल भारत का भविष्य उज्ज्वल हो। भारत में ऑनलाइन गेमिंग उद्योग 2025 तक 32,000 करोड़ रुपये का विशाल बाजार बन चुका है, जिसमें 45 करोड़ लोग शामिल हैं। लेकिन इस तेजी के साथ जोखिम भी बढ़े हैं। हिंसक गेम्स युद्ध और हिंसा को आकर्षक बनाकर बच्चों में आक्रामकता और असंवेदनशीलता को बढ़ावा देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने गेमिंग की लत को मानसिक स्वास्थ्य विकार घोषित किया है। भारत में कई दिल दहलाने वाली घटनाएं, जैसे 2021 में उत्तर प्रदेश में एक किशोर की गेमिंग असफलता के बाद आत्महत्या, इस खतरे की गंभीरता को दर्शाती हैं। ये गेम्स मनोरंजन के बजाय मानसिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बन रहे हैं। गेमिंग उद्योग का आर्थिक और सामाजिक नुकसान चिंताजनक है। "नेक्स्ट लेवल" और आभासी पुरस्कारों का लालच खिलाड़ियों को जाल में फंसाता है, जिससे हर साल 45 करोड़ लोग मनी गेम्स में 20,000 करोड़ रुपये गंवा रहे हैं। यह न केवल मध्यम वर्गीय परिवारों की बचत को नष्ट कर रहा है, बल्कि मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण जैसे अपराधों को भी बढ़ावा दे रहा है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ऑनलाइन मनी गेम्स विशेषकर मध्यम वर्गीय परिवारों की बचत को नष्ट कर रहे हैं। प्रस्तावित ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देता है, लेकिन हिंसक गेम्स पर सख्त रोक भी जरूरी है। इंटरनेट पर अश्लील सामग्री का बढ़ता प्रसार भी गंभीर संकट पैदा कर रहा है। भारत के 90 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में युवा और किशोर बड़ी संख्या में शामिल हैं। सस्ते स्मार्टफोन्स ने बच्चों के लिए ऐसी सामग्री तक पहुंच आसान कर दी है। एक अध्ययन के मुताबिक, 13-17 वर्ष की आयु के 30त्न बच्चे अश्लील सामग्री देखते हैं, जो उनकी मानसिकता को दूषित करती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2023 के आंकड़े दर्शाते हैं कि साइबर अपराधों में 24% की वृद्धि हुई, जिसमें अश्लील सामग्री से जुड़े अपराध प्रमुख हैं। यह सामग्री न केवल व्यक्तियों को भावनात्मक और सामाजिक रूप से अस्थिर करती है, बल्कि यौन अपराधों और पारिवारिक रिश्तों में तनाव को भी बढ़ाती है। ऑनलाइन गेमिंग बिल को व्यापक और प्रभावी बनाना समय की मांग है। इसमें हिंसक गेम्स और अश्लील सामग्री पर कठोर कार्रवाई के स्पष्ट प्रावधान होने चाहिए। एक राष्ट्रीय गेमिंग अथॉरिटी स्थापित कर गेम्स का वर्गीकरण और नियमन सुनिश्चित करना होगा। साइबर सेल को सशक्त कर अश्लील वेबसाइटों पर तत्काल रोक लगानी होगी। उल्लंघनकर्ताओं के लिए 3 साल की जेल और 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने जैसे कड़े दंड निर्धारित किए जाएं। गेमिंग कंपनियों को पैरेंटल कंट्रोल और उम्र-आधारित प्रतिबंध लागू करने के लिए अनिवार्य करना होगा। कानून के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। माता-पिता को बच्चों के डिजिटल उपयोग पर सतर्कता बरतनी होगी। स्कूलों में डिजिटल साक्षरता और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के लिए व्यापक अभियान चलाए जाएं। राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन को और तेजी से लागू करना होगा। बच्चों को हिंसक गेम्स के बजाय कोडिंग, ई-लर्निंग जैसे रचनात्मक और सकारात्मक क्षेत्रों की ओर प्रेरित करना जरूरी है। 2023 में राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर 15 लाख शिकायतें दर्ज हुई, जो साइबर अपराधों की गंभीरता को दर्शाता है। साइबर सेल को अधिक संसाधन और अधिकार देकर इसे और प्रभावी बनाना होगा। भारत की 65% आबादी, जो 35 वर्ष से कम उम्र की है, देश का भविष्य है। लेकिन हिंसक गेम्स और अश्लील सामग्री इस युवा शक्ति को तबाह करने का खतरा पैदा कर रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 को हिंसक और अश्लील सामग्री पर कठोर रोक के साथ तत्काल लागू करना होगा। तकनीक को रोकना संभव नहीं, लेकिन इसके हानिकारक प्रभावों पर अंकुश लगाना अनिवार्य है। सख्त कानून, सशक्त साइबर सेल और व्यापक जागरूकता के सहयोग से हम एक सुरक्षित डिजिटल समाज का निर्माण कर सकते हैं। यह केवल कानूनी कदम नहीं, बल्कि हमारे भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है।

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

मानवता के लिए अभिशाप न बन जाये - बढ़ती हथियारों की डील

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा मध्यपूर्व के देशो सऊदी अरब, कतर और सयुक्त अरब अमीरात तीनोअमीर देशो से करके न केवल अमरीकी राष्ट्रपति के इतिहास की परम्पराओ को तोडा हे बल्कि अपनी इस पहली मिडिल ईस्ट के देशो की यात्रा में हथियारों का सबसे बड़ा भारी सोदा करके भी सबको चोका दिया है। इन सबके इतर डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका के ही नही विश्व के एकमात्र इक ऐसे इकलौते राष्ट्रपति बन गये जिन्हें विदेश यात्राओ के दौरान अब तक का सबसे महंगा उपहार मिला है। मध्य पूर्व की विदेश यात्रा के दोरान अमरीकी राष्ट्रपति को कतर के शाही परिवार द्वारा उपहार स्वरूप चोतीस सो करोड़ रूपये यानि 400 मिलियन डालर का लग्झरी बोईंग विमान दिया गया हे जिसकी हथियारों की डील से ज्यादा चर्चा अलग हो रही है एक परम्परा अनुसार सभी देश अपने यहा अपनी हेसियत के अनुसार आने वाले राष्ट्र प्रमुखों को उपहार स्वरूप कुछ न कुछ देते हे जिसकी कभी इतने बड़े रूप में चर्चा होती भी नही है किन्तु अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की दुसरे कार्यकाल की अपनी पहली विदेश यात्रा घोषणा के साथ ही दुनिया भर में ट्रम्प के इस लिक से हटकर चले गये दाव चर्चा गर्म थी और यह अनुमान था कि मिडिल ईस्ट के देशो में अमेरिका का यह सबसे बड़ा सोदागर (बिजनेश मेन) राष्ट्रपति ट्रम्प वहा कोई न कोई ऐसा बड़ा खेल जरुर करेगे जो वर्षो तक याद रखा जायेगा ! एक सफल बिजनेश मेन की तरह जेसा कि अनुमान था उससे कई गुना बड़ा काम डोनाल्ड ट्रम्पब न केवल कर आयेबल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में उपहार स्वरूप दुनिया का सबसे कीमती कीमती विमान भी अपने साथ ले आये ! अमेरिकी आर्थिक दृष्टि से देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रम्प का मध्य पूर्व के देशों का यह दौरा भले ही अब तक का सबसे सफल महत्वपूर्ण और कारगर साबित होने वाला रहा हे लेकिन इस दौर में हुए सोदो पर गंभीरता से जब भी विश्लेषण करे तो मानवता के लिए भय सा लगने लगता है। भय सा इसलिए भी लगने लगता हे कि मध्यपूर्व के इन तीनो देश सऊदी अरब, कतर और सयुक्त अरब अमीरात का अमेरिका के साथ हथियारों का अब तक के इतिहास का सबसे बड़ा 600 अरब डालर से भी ज्यादा का सोदा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति की हथियारों की सबसे बड़ी डील का सोदा देख भय का प्रश्न इसलिए भी उभर कर बार बार आता हे कि मध्यपूर्व के इन तीनो देशो से जिनकी गिनती दुनिया के सबसे अमीर देशो में की जाती हे जिनकी भोगोलिक सीमाओं का क्षेत्रफल भारत के मध्यप्रदेश के बराबर भी नहीं हे और तो और इन तीनो ही देशो में न ही कोई आतंकवाद नक्सलवाद जेसी समस्या हे और न ही कोई दुनिया में इनका पाकिस्तान जेसा दुश्मन देश हे जो इन्हें जनधन की हानी पहुचाये ! मिडिल ईस्ट के यह देश ही दुनिया में सर्वाधिक तेल आपूर्ति करते हे इस लिहाज से तेल बाजार में अपना अपना प्रभाव ज़माने के उद्देश से और जगह को लेकर आपस में इन देशो के बीच आपसी तनातनी चला करता हे किन्तु पाकिस्तान की तरह आतंकी साजिश का खेल एक दुसरे के प्रति यहा कभी खेला नही जाता है। मिडल ईस्ट के देशो में तेल बाज़ार पर अपना अपना आधिपत्य ज़माने को लेकर आपसी संघर्ष होता आ रहा हे लेकिन इनके संघर्ष में मध्यपूर्व के देशो में अब तक 26/11 या वर्ल्ड ट्रेड सेंटर जेसी आतंकी घटनाये परिणित नही हुई हे इसी वजह से यहा के देशो के अमीर शेख अपनी अपनी आन बान और शान के लिए दुनिया भर में जाने जाते हे तो फिर क्यों इन तीनो देशो को अमेरिका के साथ अरबो डालर के हथियारों का सबसे बड़ा सोदा करना पड़ा है ? दुनियाभर में शांति का मसीहा बनने का दंभ भरने वाले अमरीकी राष्ट्रपति ट्रम्प की ऐसी क्या मज़बूरी थी कि दुनियाभर में अशांति व मानवता के विनाश करने वाले हथियारों का इतना बड़ा भारी सोदा करने की ? लेकिन इसे मानवता के लिए दूर्भाग्य ही कहा जाएगा कि जब दुनिया में शांति के दूत बनने वाले शक्ति सम्पन देश ही हथियारों के बड़े बड़े सोदे करते देखे जाते हे तो फिर मानवता को बचाने की इन देशो से उम्मीद रखना बेमानी सी लगती है। मध्यपूर्व के तीन देशो की इस यात्रा की समाप्ति केर बाद व्हाइट हॉउस ने इस यात्रा के बाद जो आधिकारिक बयान दिया जिसमे यह बताया गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपनी दूसरी पारी की पहली इस विदेश यात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए उन्हें दुनिया में अब तक के इतिहास का सबसे बड़ा हथियारों का सोदा करने वाला राष्ट्राध्यक्ष माना है। यहा मध्यपूर्व के देशो का अमेरिका से हथियार खरीदने पर एतराज़ नही हे न ही अमेरिका का इन देशो को हथियार बेचने पर कोई नाराजगी है। सभी देशो को अपनी अपनी भोगोलिक सीमाओं और राष्ट्र की सुरक्षा हेतू समय अनुसार अत्याधुनिक तकनीक वाले हथियारों से लेंस होना वर्तमान की सबसे बड़ी प्राथमिकता भी हे और आवश्यकता भी हे लेकिन चिंता का प्रश्न यह हे कि वर्तमान में कई देश हथियारों का उपयोग मानवता को बचाने में कम अपितू मानवता को लीलने में ज्यादा उपयोग कर रहे हे जिन्हें रोका जाना न अमेरिका के बस में हे न सयुक्त राष्ट्र के देशो में है। ऐसे में जब अमेरिका का ही मोस्ट वांटेड एक करोड़ डालर का इनामी आतंकी अपराधी जो गनबल के दम पर अमेरिका को आतंक के गहरे जख्म दे गया था जिसे आज भी अमेरिकी महसूस करते हे वही आतंकी यदि अपने देश सीरिया का अंतरिम राष्ट्रपति अल शेरा बनकर अमेरिका के उस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से हाथ मिलाता हे जो अमेरिका की सता पर दोबारा काबिज़ ही आतंकवाद के विनाश करने के बल पर हुआ है तो मन में कई तरह के विचार उठाना स्वतः लाजमी भी है ? कई सालो से अमेरिका का ही मोस्ट वांटेड अपराधी रहा और आतंकी से राष्ट्रपति बना सीरिया के अल शेरा से इस यात्रा के दोरान न केवल राष्ट्रपति ट्रम्प ने हाथ मिलाया बल्कि सोदे की चमक में उसके अपराधो को भुलाकर उसकी तारीफों के पुल बांध आये हे तो दुनिया भर में इस हथियारों की सबसे बड़ी भारी डील पर संदेह होना वाजिफ लगता है। इस यात्रा से दुनिया ने आतंकवाद पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की स्वार्थ परख दोहरी नीति और नियत दोनों को उजागर किया है। सऊदी अरब के प्रिंस क्राउन की राष्ट्रभक्ति मानव प्रेम की निष्ठां व विश्व शांति पर किसी को भी दुनिया में शंका नही है और वह अपने देश में हथियारों का गलत इस्तेमाल किसी भी सुरत में कभी होने भी नही देगे लेकिन अरब के खाड़ी देशो में तेल के इस खेल में अपना एकाधिकार जमाने के लिए अल शेरा और अमेरिका से यह उम्मीद नही रख सकते की वह भविष्य में हथियार कभी नही उठायेगे ? अमेरिका दुनिया की हर कीमती वस्तु या सम्पदा पर अपना आधिपत्य ज़माने के लिए पहले से ही कुख्यात हे और उसकी शुरू से ही दुनिया पर आधिपत्य जमाने की मांग लो , खरीद लो या खत्म कर दो की नीति रही है। हथियारों की सोदेबाज़ी करके अमेरिका कई देशो को आपस में लड़ाकर या कर्जदार बनाकर अपने कब्जे में ले चूका है। अमेरिका यदि किसी देश से गहरी दोस्ती करता हे तो सबसे पहले वह दोस्त के दुश्मन से हाथ जरुर मिलाकर उसे उपकृत करता है। वर्तमान में पाकिस्तान इसका सबसे बेहतर जीता जागता उदाहरण भी है। यहा यह सोचने वाली बात हे कि जिस पाकिस्तान के पास खुद के अवाम को खिलाने के लिए आटा तक नही हे वह देश भला आतंकियों को चार दशक से कैसे पाल पोस कर उनके खर्चे वहन कर उन्हें अत्याधुनिक विदेशी हथियार उपलब्ध केसे उपलब्ध करा सकता है ? आज अमेरिका सहित दुनिया के अमूमन सारे बड़े देश आतंक की जद के शिकार हो चुके है। विडम्बना तो यह हे कि हजारो तरह के हथियारों की शर्तो और प्रतिबंधो के बावजूद भी उन्हें धता बताकर आतंकियों और नक्सलियों के पास बड़ी भारी मात्रा में विदेशी हथियारो का जखीरा मिलना आखिर क्या दर्शाता है ? मानवता के दुश्मन बने आतंकवादियों के पास अत्याधुनिक तकनीक के बने विदेशी हथियार कहा से आते हे और वह कोन देश हे जो अपनी सुरक्षा के लिए खरीदे गए हथियार आतंकियों को सप्लाई करता है ? आतंकी गतिविधि के संचालन के लिए फंडिंग की व्यवस्था कोन करता हे और कोन आतंकियों के पकडे जाने पर उनके अदालतों के मुक़दमे का भारी खर्च वहन कर उन्हें दुनिया की अदालतों से बरी करवाता है ? इस तरह के अनेको यक्ष प्रश्न बने हुए हे किन्तु दुनिया की कोई भी गुप्तचर संस्था अब तक इन सारे सवालों का कोई जवाब तक नही खोज पाई हे तो ऐसे में दुनिया के देशो के मध्य हथियारों की बढती डील पर विश्व समुदाय के देशो को गहन मंथन करने की जरूरत हे और हथियारों की होड़ पर अंकुश लगाने की जरूरत है। समय रहते यदि दुनिया में हथियारों की खरीद फरोख्त पर लगाम नही लगाई तो यही हथियार मानवता के लिए अभिशाप बन जाएंगे।

अरविन्द रावल

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ. कौशलेन्द्र पाण्डेय जी

1.मेष- मेहनत का फल भरपूर प्राप्त होगा। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निवेश, यात्रा व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। मित्र व संबंधी सहयोग करेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

2.वृष- अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। आत्मसम्मान में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कुछ प्रतिकूलता रह सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

3.मिथुन- व्यावसायिक यात्रा पूर्णतः सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी।

4.कर्क- व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग उभर सकता है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। अपरिचित व्यक्तियों पर अतिविश्वास न करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यवसाय ठीक चलेगा। उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

5.सिंह- बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा से लाभ होगा। उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। निवेश शुभ रहेगा। झंझटों में न पड़ें। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रमाद से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

6.कन्या- आर्थिक नीति में परिवर्तन सफल रहेगा जिसका भविष्य में लाभ मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। काम में मन लगेगा। जल्दबाजी से बचें। आय में वृद्धि होगी। भाई-बंधुओं का सहयोग प्राप्त होगा।

7.तुला- तीर्थाटन की योजना बनेगी। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जोखिम लेने का साहस कर पाएंगे। आय के नए स्त्रोत प्राप्त हो सकते हैं। उच्चाधिकारी के कोपभाजन बन सकते हैं। सावधान रहें।

8.वृश्चिक- वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां। कुसंगति से हानि होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। जल्दबाजी से बाधा संभव है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय-व्यय बराबर रहेगा। अतिविश्वास हानि देगा।

9.धनु- मित्र व संबंधियों के सहयोग से लाभ होगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न उठाएं।

10.मकर- संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में सामंजस्य बैठाएं। निवेश शुभ रहेगा। भ्रम की स्थिति बन सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। अपनों से बिगाड़ न करें। प्रमाद से बचें।

11.कुंभ-रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। परीक्षा व प्रतियोगिता में लाभ की स्थिति निर्मित होगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। नौकरीपेशा विवेक से कार्य करें। लाभ होगा। बड़ों से मार्गदर्शन लें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। सामाजिक कार्य में रुचि बढ़ेगी

12.मीन- विवाद को बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों से अपेक्षा दुःख का कारण बनेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी।

हरितालिका तीज - संयम, समर्पण और संतुलन का पर्व

भारतीय संस्कृति में पर्व-त्योहार केवल धार्मिक विश्वासों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे मानवीय मूल्यों, सामाजिक संबंधों, स्वास्थ्य, पर्यावरण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को पोषित करने वाले जीवन-आधार भी हैं। इन्हीं में से एक है हरितालिका तीज, जो उत्तर भारत, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड और नेपाल के अनेक क्षेत्रों में भाद्रपद शुक्ल तृतीया को विशेष श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत का संबंध देवी पार्वती और भगवान शिव से है। स्कंद पुराण सहित अन्य ग्रंथों में वर्णन मिलता है कि माता पार्वती ने अपने पिता हिमालय द्वारा अनचाहे विवाह से बचने के लिए अपनी सखी के साथ वन में जाकर कठोर तप किया और अंततः भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त किया। यही कारण है कि इसका नाम ÷हरितालिका÷ पड़ा–जहाँ 'हरि' का अर्थ हरण और 'तालिका' का अर्थ सखी से है। यह कथा स्त्रियों को आत्मबल, दृढ़ निश्चय और समर्पण का संदेश देती है। यह पर्व केवल दांपत्य सौभाग्य का प्रतीक नहीं है, बल्कि स्त्री-शक्ति, त्याग, धैर्य और आत्मसम्मान की पहचान भी है। महिलाएं इस दिन निर्जला उपवास रखती हैं, पारंपरिक वेशभूषा धारण करती हैं और शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। सामूहिकता का यह स्वरूप स्त्री-सशक्तिकरण की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है।

हरितालिका तीज का महत्व केवल आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वैज्ञानिक और स्वास्थ्य संबंधी पक्ष भी है। आधुनिक चिकित्सा शोध बताते हैं कि उपवास से शरीर डिटॉक्स होता है, पाचन तंत्र को विश्राम मिलता है और रोग-प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। वर्षा ऋतु के अंतिम चरण में यह उपवास संक्रमण और मौसमी रोगों से बचाव में सहायक होता है। पूजा और भजन-स्मरण के समय मस्तिष्क में सेरोटोनिन और डोपामिन जैसे 'हैप्पी हार्मोन' स्रावित होते हैं, जो मानसिक संतुलन और प्रसन्नता प्रदान करते हैं। वहीं सामूहिक उत्सव सामाजिक संबंधों को गहरा बनाते हैं।

आज के वैज्ञानिक युग के संदर्भ में इस पर्व का पर्यावरणीय पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। शिव-पार्वती की प्रतिमाओं को मिट्टी से बनाना, पूजा में स्थानीय फूल-पत्तियों और फलों का उपयोग करना, पीपल, बेल और तुलसी की आराधना करना आदि।ये सब प्रकृति-संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। इससे न केवल रसायन और प्लास्टिक आधारित सजावट का उपयोग घटता है, बल्कि स्थानीय कारीगरों और किसानों को भी प्रोत्साहन मिलता है। पर्व के नाम में ही 'हरित' शब्द प्रकृति, हरित ऊर्जा,हरित निमार्ण और हरियाली को महत्व देने की ओर संकेत है। इस प्रकार, यह पर्व आज के समय में सतत विकास और 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को भी बल देता है। सांस्कृतिक दृष्टि से यह महिलाओं के सामूहिक उत्सव का पर्व है। इसमें लोकगीत, नृत्य, कथा-वाचन, झूला-झूलना और पारंपरिक श्रृंगार मिलकर सामाजिक एकता और पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करते हैं। समाज और पड़ोस में आपसी मेल-जोल और सहयोग की भावना को यह पर्व विशेष रूप से प्रोत्साहित करता है। हरितालिका तीज संयम, समर्पण, स्वास्थ्य और पर्यावरण-संरक्षण का ऐसा अद्वितीय संगम है, जो केवल दांपत्य जीवन को सुदृढ़ करने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिस्थितिक संतुलन का संदेश भी देता है। यदि इसके मूल्यों को जीवन में उतारा जाए तो यह पर्व व्यक्तिगत, पारिवारिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक और वैश्विक कल्याण का भी पथ प्रशस्त कर सकता है। यही इसकी विशिष्टता है कि यह भारतीय संस्कृति की उस महान परंपरा को जीवित रखता है, जिसमें तन, मन, प्रकृति और समाज, सभी का संतुलन साधा जाता है।

डा.मनमोहन प्रकाश

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

डेढ़ महीने से लापता मजदूर उमेश का अब तक नहीं लगा सुराग

.....परिजनों में गहरी चिंता, पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की।

मोहनलालगंज (लखनऊ)। थाना क्षेत्र के सिसेंडी गांव के मजरा केशरीखेड़ा निवासी तीस वर्षीय मजदूर उमेश बीते डेढ़ महीने से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता है। 12 जुलाई की सुबह घर से मजदूरी पर जाने निकले उमेश का अब तक कोई पता नहीं चल सका है। परिजनों के मुताबिक, उमेश ने अपने पिता रजऊ को बताया था कि वह मजदूरी के लिए जा रहा है। लेकिन देर रात तक घर न लौटने पर पिता ने आसपास व ग्रामीणों के बीच खोजबीन शुरू की। काफी तलाश के बाद भी सुराग न मिलने पर उन्होंने थाने का रुख किया।

थक-हारकर उमेश के पिता ने शनिवार को मोहनलालगंज थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए गुमशुदगी दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है।

परिवार की बढ़ी चिंता..... गांव के लोगों ने बताया कि उमेश अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए मजदूरी करता था। अचानक उसके लापता हो जाने से परिवार की चिंता और बढ़ गई है। परिजन पुलिस से जल्द ही अपने बेटे को खोज निकालने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

पुलिस की कार्रवाई..... थाना प्रभारी दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है और पुलिस टीम लगातार उसकी तलाश में जुटी है। अभी तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा है, लेकिन प्रयास किए जा रहे हैं कि जल्द से जल्द युवक को सुरक्षित बरामद किया जाए।

सिसेंडी चौकी प्रभारी की लापरवाही से नहीं दर्ज हुआ चोरी का मुकदमा

● .....पीड़ित व्यापारी ने थाना प्रभारी से न्याय की लगाई गुहार, व्यापारियों में आक्रोश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज (लखनऊ)। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के बिजनौर मार्ग पर स्थित एक दुकान से लगभग 1.20 लाख रुपये की चोरी होने के बावजूद मुकदमा दर्ज न होने से पीड़ित व्यापारी बेहद परेशान है। व्यापारी ने कई बार तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन सिसेंडी चौकी प्रभारी की लापरवाही के चलते अब तक कोई केस दर्ज नहीं किया गया।

जानकारी के अनुसार, मरूई गांव निवासी व्यापारी देवेश कुमार पुत्र राम सिंह की आर.एस. ट्रेडर्स नाम से दुकान बिजनौर मार्ग पर स्थित है। बीते 27 जुलाई को दोपहर में दुकान के गल्ले से करीब 1,20,000 रुपये नकद चोरी हो गए। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई, जिसमें तीन संदिग्ध चोर दिखाई दे रहे हैं।

व्यापारी ने तत्काल इसकी सूचना सिसेंडी चौकी को दी और लिखित तहरीर भी दी, लेकिन चौकी प्रभारी ने मामले को अनदेखा कर दिया। न तो मुकदमा दर्ज हुआ और न ही आरोपितों पर कोई कार्रवाई की गई। पीड़ित व्यापारी का कहना है कि लगातार प्रार्थना-पत्र देने के बावजूद सुनवाई न होने से वह आर्थिक और मानसिक दोनों तरह से परेशान है। उसने थाना प्रभारी दिलेश कुमार सिंह से गुहार लगाई है कि चोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि उसकी आर्थिक क्षति की भरपाई हो सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगे। इस घटना को लेकर क्षेत्रीय व्यापारियों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

कर्मचारी संगठन के बैनर पर कालिख पोतने और जूते मारने का आरोप

बैनर पर कालिख पोतकर और जूते मारकर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर किया वायरल

लालगंज (रायबरेली)। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के गेट नंबर दो के पास अनुसूचित जाति एवं जनजाति रेलवे कर्मचारी संगठन के बैनर टांगकर उसमें कालिख पोतकर अपमानित करने का मामला सामने आया है। संगठन के पदाधिकारियों का आरोप है कि कुछ लोगों ने बैनर पर कालिख पोतकर और जूते मारकर वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस संबंध में संगठन के जोनल सचिव देवनाथ निर्मल ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। पत्र में आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। देवनाथ निर्मल ने बताया कि 8 अगस्त को संगठन की जोनल कमेटी का चुनाव हुआ था। चुनाव को लेकर कुछ लोगों ने विरोध जताते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी, लेकिन खंडपीठ ने याचिका को खारिज कर दिया। इसके बाद संगठन की केंद्रीय कार्यकारिणी को कारखाने में मान्यता मिल गई। इसके बावजूद विरोधी गुट ने बदले की भावना से यह कृत्य किया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है। जांच के लिए दरोगा की अगुवाई में टीम गठित कर दी गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

27 वर्ष बाद मिला बिछड़ा बेटा, परिवार में खुशी और आंसुओं का माहौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्वतंत्र प्रभात सीतापुर। कुर्सी थाना क्षेत्र के रहने वाले संतोष कुमार मिश्रा उर्फ कल्लू का परिवार पिछले 27 वर्षों से अपने बेटे के लापता होने से ग़मगीन था। परिवार का कहना है कि लगभग 27 साल पहले संतोष को रहस्यमयी परिस्थितियों में घर से अगवा कर लिया गया था। तब से लेकर अब तक परिजन उसकी तलाश में भटकते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया।

बीते 22 अगस्त को इस मामले में अप्रत्याशित मोड़ आया। संतोष की भांजी सत्यभामा त्रिवेदी ने फेसबुक पर एक पोस्ट देखी जिसमें लिखा गया था कि ललितपुर में एक अज्ञात व्यक्ति अचेत अवस्था में मिला है और उसे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। तस्वीर और जानकारी देखकर सत्यभामा को शक हुआ और उसने तुरंत इसकी जानकारी परिवार को दी।

इसके बाद संतोष के भांजे मोहित पांडे ने खोजबीन शुरू की। उन्होंने ललितपुर स्थित एक एनजीओ से संपर्क किया और वहां मौजूद समाजसेवी अचू बाबा ने अस्पताल जाकर उस अज्ञात व्यक्ति का वीडियो और फोटो साझा किया। जैसे ही यह तस्वीरें सीतापुर में मिश्रा परिवार को दिखाई गईं, परिजन पहचानकर फफक पड़े। सभी ने पुष्टि की कि वही उनका खोया हुआ बेटा कल्लू (संतोष कुमार मिश्रा) है। परिजनों का कहना है कि संतोष की मां अपने बेटे की तलाश करते-करते पिछले वर्ष ही इस दुनिया से विदा हो गईं। बेटे की वापसी देखने का उनका सपना अधूरा रह गया। हालांकि परिवार को अब 27 साल बाद अपने खोए हुए सदस्य के मिलने से राहत और गहरा भावनात्मक संतोष मिला है। द्वपरिवारजन इस पूरी खोज में सहयोग देने के लिए सत्यभामा त्रिवेदी और मोहित पांडे के प्रयासों को सराह रहे हैं। उनका कहना है कि यह घटना उनके लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है, जैसे कोई बिछड़ा परिवार का सदस्य वर्षों बाद फिर से मिल गया हो।

मोहनलालगंज में सपा का बूथ प्रभारी सम्मेलन सम्पन्न

● 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का लिया संकल्प, भाजपा सरकार पर तीखे हमले ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज (लखनऊ)। समाजवादी पार्टी ने रविवार को मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के नगराम रोड स्थित आर.आर. गुप्ता गेस्ट हाउस, निगोहां में ब्लॉक स्तरीय बूथ प्रभारी सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल और सांसद आर.के. चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बूथ प्रभारी, सेक्टर प्रभारी, जोन प्रभारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। आयोजक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने सभी अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना रहा।

श्यामलाल पाल का आह्वान प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों, पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों का लगातार हनन कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बूथ स्तर पर सक्रिय रहते हुए मतदाता सूची से फर्जी नाम हटवाने और नए मतदाताओं को जोड़ने पर जोर दें। उन्होंने कहा कि -

"2027 में समाजवादी पार्टी को बहुमत दिलाकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना हमारा लक्ष्य है। पी.डी.ए. की सरकार बनते ही बंद किए गए प्राथमिक विद्यालय फिर से खोले जाएंगे।"

सांसद आर.के. चौधरी का भाजपा पर प्रहार

सांसद आर.के. चौधरी ने भाजपा को "वोट चोर" करार देते हुए नारा लगाया - "वोट चोरों गद्दी छोड़ो।" उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मूलभूत क्षेत्रों की उपेक्षा की है। हजारों विद्यालय बंद कर गरीब और पिछड़े वर्ग के बच्चों को शिक्षा से वंचित किया गया है।

अम्ब्रीश सिंह पुष्कर का संबोधन- पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने बिहार की तर्ज पर लागू की जा रही SIR नीति का विरोध किया और कहा कि भाजपा की कथित "वोट चोरी" का हर स्तर पर मुकाबला करना होगा। उन्होंने कहा कि INDIA गठबंधन की भूमिका बेहद अहम है और 2027 में बदलाव तय है।

सम्मेलन में मौजूद नेता

सम्मेलन में विधानसभा अध्यक्ष उमाशंकर वर्मा, पूर्व मंत्री देवकली प्रसाद रावत, जिला अध्यक्ष जय सिंह जयंत, प्रदेश उपाध्यक्ष सी.एल. वर्मा, जिला महासचिव शब्बीर खान सहित कई वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद रहे।

इसके अलावा अशोक यादव, शाशलेंद्र यादव, अमर पाल सिंह, श्रवण यादव, दिनेश यादव, समर पाल सिंह, ज्ञानेन्द्र सिंह, पदम सिंह, अशर्फी लाल धीमान, महताब सिंह यादव, कन्हैया सिंह यादव, अभिषेक दीक्षित, विजय सिद्धार्थ, जितेन्द्र राज त्यागी, संतोष रावत, राम कुमार यादव, निर्मला सिंह, मो. मुन्ना, सोनू पाल, हरीशंकर रावत, रमेश यादव, राम समीरन, संतराम समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं का संकल्प- सम्मेलन के समापन पर कार्यकर्ताओं ने 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया और बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने का प्रण किया ।

उतरावां में शुरू हुई 9 दिवसीय श्रीराम कथा

● .....व्यासपीठ से गौ को राज्य माता का दर्जा देने की अपील, श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से किया श्रवण।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां (लखनऊ)। निगोहां क्षेत्र के उतरावां गांव स्थित बाबा जगन्नाथ दास कुटी हनुमान मंदिर में नौ दिवसीय श्रीराम कथा का शुभारंभ रविवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ। कथा का प्रथम दिवस आचार्य ज्ञानेश त्रिपाठी द्वारा वाचन किया गया।

कथा व्यास आचार्य त्रिपाठी ने कहा कि श्रीराम कथा केवल श्रवण का विषय नहीं, बल्कि जीवन में प्रयोग करने योग्य है। यह मनुष्य को परमात्मा की भक्ति से जोड़कर जीवन को आस्थावान और संतुलित बनाती है। उन्होंने श्रीरामचरितमानस को शास्त्रसम्मत ग्रंथ बताते हुए कहा कि यह ग्रंथ शास्त्रों के नियमों का निरूपण करता है और वेदज्ञान देकर अस्तित्व का अनुभव कराता है।

उन्होंने श्रद्धा और विश्वास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि माता पार्वती श्रद्धा का और भगवान शिव विश्वास का स्वरूप हैं। वहीं श्रीहनुमान जी कथा के रसिक श्रोता और राधारानी साक्षात भक्ति स्वरूप हैं। कथा व्यास ने विशेष रूप से नाम जप की महिमा पर बल दिया और कहा कि कलियुग में प्रभु का नाम ही भवसागर से पार कराने का सबसे बड़ा सहारा है।

गौ की महिमा का विस्तार से उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गौ में सभी देवताओं का वास है और व्यासपीठ से गौ को राज्य माता का दर्जा देने की अपील की। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य अरुण यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कथा आयोजन शैलेंद्र सिंह चौहान द्वारा कराया गया, जबकि संपूर्ण व्यवस्था निगोहां प्रेस क्लब अध्यक्ष विमल सिंह चौहान ने संभाली। कथा श्रवण के दौरान पूरा मंदिर परिसर राम नाम के जयकारों और भक्ति गीतों से गुंजायमान हो उठा। आयोजन समिति ने बताया कि कथा के दूसरे दिन भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का प्रसंग प्रस्तुत किया जाएगा, जिसके लिए मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया जाएगा और श्रद्धालु भक्ति भाव से उत्सव मनाएंगे।

श्रीराम चरित मानस मन्दिर समिति ने कराया विशाल भंडारे का आयोजन

ओबरा सोनभद्र। स्थानीय राम मंदिर प्रांगण में भगवान श्रीकृष्ण के छठी के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे का आयोजन श्रीराम चरित मानस मंदिर समिति ने शुक्रवार देर शाम कराया। इस दौरान समिति की महिला मण्डल की अध्यक्षत सुमन खत्री समेत सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा भगवान के अनेकों अनेक भजनों को गाकर झूमा नाचा गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पारंपरिक गीतों से पूरा माहौल धार्मिक रहा। छठी के इस पावन अवसर पर नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और धार्मिक परंपरा का निर्वहन किया।

इस दौरान नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी मधुसूदन जयसवाल, समिति के अध्यक्ष ईश्वरी नारायण सिंह, सचिव नीलकांत तिवारी, संरक्षक मण्डल में प्रमुख रूप से वरिष्ठ अधिवक्ता कपुर चन्द्र पाण्डे, संजीत कुमार चौबे, गिरिश नारायण सिंह, कृष्णानंद वर्मा, धुरन्धर शर्मा, अवधेश सिंह, पूर्व चेयरमैन प्राणमती देवी, रमेश सिंह यादव, श्रवण पासवान, रंजना सिंह, गीतांजलि चौबे, आचार्य मनमोहन शुक्ल, राजीव वैश्य, पुष्पराज पाण्डे, ज्ञान शंकर शुक्ला, सतीश पाण्डे, रामनिवास तोमर, शिवनाथ जयसवाल, सुनीता पाण्डेय, आशीष तिवारी, निलेश मिश्रा, संतोष सिंह, सुरेन्द्र शर्मा, हरीश अग्रहरी, हेमलता जयसवाल, सुरेन्द्र सिंह गप्पु, पुष्पा दुबे, अरविन्द सोनी,सुनीत खत्री, सुशील सिंह, उमेश चन्द्र शुक्ला, सतीश तिवारी, छोटेलाल मिश्रा, अमरेश यादव, मुकेश जयसवाल, सभासद अमित गुप्ता, समीर माली, अन्वेश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, रामदेव मौर्य, कैलाशनाथ, सचिन तिवारी, सुनिल सिंह, दिनेश सिंह मुंडी, सभासद विकास सिंह, राजु साहनी, पवन यादव, अशोक यादव, अनुज त्रिपाठी, अभिषेक सेठ, अनीश सेठ, आर्दश सिंह, रंजीत सिंह, प्रेम सागर, राजीव चौधरी, अनिकेत तिवारी, आदित्य विश्वकर्मा इत्यादि लोग मौजूद रहे।

कृष्णा नर्सिंग एंड पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट का भव्य विदाई समारोह सम्पन्न

● .....मुख्य अतिथि प्रो. सी.एम. जरीवाला ने किया शुभारंभ, रंगारंग प्रस्तुतियों से सजा मंच।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज के उत्तरगांव स्थित कृष्णा नर्सिंग एंड पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट, लखनऊ द्वारा शनिवार 23 अगस्त 2025 को ब्लू आर्किड रिसॉर्ट में जी.एन.एम. के 17वें एवं ए.एन.एम. के तीसरे बैच का भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो. सी.एम. जरीवाला ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर संस्थान की निदेशक डॉ. तेजल जे. चतुर्वेदी ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत व सम्मान किया।

मंच पर रंगारंग प्रस्तुतियां..... विदाई समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं ने नृत्य, कविता और खेलकूद प्रतियोगिताओं के माध्यम से आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। मंच पर छात्रों की ऊर्जा और प्रतिभा देखते ही बनती थी।

प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मान..... समारोह में विभिन्न खिताबों से प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित किया गया - जी.एन.एम. 2022 बैच से शमशाद अहमद को मिस्टर फेयरवेल, पूजा को मिस फेयरवेल, आदित्य को मिस्टर ईव और प्रगति को मिस ईव चुना गया। ए.एन.एम. 2023 बैच से शांति को मिस फेयरवेल का सम्मान प्राप्त हुआ।

मुख्य अतिथियों का आशीर्वाद..... इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. सी.एम. जरीवाला, निदेशक डॉ. तेजल जे. चतुर्वेदी, प्रिंसिपल प्रो. जेनी डी. (के.एन.पी.आई.), प्रिंसिपल डॉ. नीरज श्रीवास्तव (के.सी.ई.एम.) एवं वाइस प्रिंसिपल प्रो. अनुराग सिंह चौहान ने छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया।

भावुक हुआ माहौल..... भव्य आयोजन में जहां छात्रों ने अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाया, वहीं शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच विदाई के भावुक क्षण भी देखने को मिले। पूरे समारोह में उत्साह, उमंग और आत्मीयता का वातावरण बना रहा।

नगर पंचायत मोहनलालगंज के बिन्दौवा में पौधारोपण के साथ कचरा मुक्त अभियान का शुभारंभ

● .....'मेरा वार्ड, मेरी जिम्मेदारी" अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम, नागरिकों से स्वच्छता में सहयोग की अपील।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज (लखनऊ)। नगर पंचायत मोहनलालगंज द्वारा स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान "मेरा वार्ड, मेरी जिम्मेदारी" के अंतर्गत शनिवार को वार्ड नंबर 6, बिन्दौवा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी अंकिता देवी के निर्देशन में पौधारोपण कर कचरा मुक्त वार्ड अभियान की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में वार्ड पर्यवेक्षक अंकित कुमार पांडेय, क्षेत्रीय प्रभारी जयराम और सभासद आनंद द्विवेदी ने मिलकर पौधे लगाए और लोगों से अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का आह्वान किया।

अधिशासी अधिकारी का संदेश.....अधिशासी अधिकारी अंकिता देवी ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में व्यक्तिगत स्वच्छता और आसपास को साफ रखने की जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन का ही एक हिस्सा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि -कचरा इधर-उधर न फेंके, हमेशा कूड़ेदान का इस्तेमाल करें। नगर पंचायत के डोर-टू-डोर कचरा वाहन को ही घर का कचरा दें। गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने की आदत डालें, ताकि गीले कचरे से खाद तैयार की जा सके।

शिकायत निस्तारण की व्यवस्था..... वार्ड पर्यवेक्षक अंकित कुमार पांडेय ने बताया कि यदि कहीं से कचरा न उठने की शिकायत मिलती है तो नागरिक टोल-फ्री नंबर 1533 पर संपर्क कर सकते हैं। हर शिकायत का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जाएगा।

स्थानीय लोगों का उत्साह..... जागरूकता कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत की टीम मोहल्लों में जाकर लोगों को अभियान की जानकारी देती रही। स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहयोग का भरोसा दिलाया और अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर वार्ड सभासद आनंद द्विवेदी, पर्यवेक्षक अंकित कुमार पांडेय, क्षेत्रीय प्रभारी जयराम, रामकुमार द्विवेदी, गुड्डू, रवि कुमार, राधेलाल, गोलू, दिनेश, देवेश, आशुतोष शुक्ला, मोहित, मोहम्मद रफीक, लाल मोहम्मद, जगजीवन, शीतला प्रसाद, पीयूष कुमार सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे ।

प्रभारी मंत्री ने 5 करोड़ के लागत की परियोजनाओं का समीक्षा की, गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण कराने का निर्देश

सिद्धार्थनगर। मंत्री, श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय विभाग उत्तर प्रदेश सरकार/जनपद प्रभारी मंत्री अनिल राजभर की अध्यक्षता एवं सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में 05 करोड़ से ऊपर के लागत के परियोजनाओं की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में 05 करोड़ से ऊपर के लागत के परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान राजकीय महाविद्यालय बिस्कोहर के निर्माण की समीक्षा की गयी। उक्त कार्य मार्च 2024 में पूर्ण होना था सम्बन्धित अधिकारी द्वारा जनपद प्रभारी मंत्री को अवगत कराया गया कि वजट न मिलने के कारण निर्माण में बिलम्ब हुआ है जो कि सितम्बर 2025 तक पूर्ण हो जायेगा। इसके साथ ही सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, आई.टी.आई. इटवा के निर्माण की समीक्षा की गयी। सांसद जगदंबिका ने निर्देश दिया कि 06 माह में कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराये। कल्याण मण्डपम नौगढ़ का निर्माण कार्य निर्धारित समय से पूर्ण कराने का निर्देश दिया। भरवलिया, विकास खण्ड बर्डपुर में निर्माण हो रहे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय का कार्य समय से पूर्ण कराने का निर्देश दिया।मंत्री, श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय विभाग उत्तर प्रदेश सरकार/जनपद प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि जिन विभागों के प्रोजेक्ट मैनेजर एवं अधिशासी अभियन्ता बैठक में स्वयं नही आये है उनके स्थान पर अवर अभियन्ता उपस्थित थे। अनुपस्थित प्रोजेक्ट मैनेजर एवं अधिशासी अभियन्ता का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। मंत्री, श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय विभाग उत्तर प्रदेश सरकार/जनपद प्रभारी मंत्री अनिल राजभर न निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धरित समय में एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

कानून व्यस्था की समीक्षा के दौरान अपर पूलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि भारत नेपाल बार्डर के सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अवैध अतिक्रमण हटाया गया है। बाहर के लोगो को चिन्हित किया जा रहा है। बार्डर पर लगातार पुलिस विभाग, एसएसबी एवं कस्टम विभाग द्वारा निगरानी की रही है। ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों के साथ बैठक किया जाता है। मंत्री, श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय विभाग उत्तर प्रदेश सरकार/जनपद प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने निर्देश देते हुए कहा कि अवैध खनन पर विशेष निगरानी रखे अवैध खनन नही होना चाहिए। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता है कि थानों के भवन अच्छे हो जिसके लिए निरन्तर कार्य किये जा रहे है। थानों पर आने वाले लोगो से अच्छा व्यवहार करे।

आईजीआरएस की समीक्षा के दौरान उन्होंने ने निर्देश दिया कि आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करे। शिकायतकर्ता सतुष्ट होना चाहिए। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि माह जुलाई 2025 में जनपद की 22वी. रैंक आयी थी तथा तहसील इटवा की प्रथम रैंक आयी है। मंत्री, श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय विभाग उ0प्र0 सरकार/जनपद प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने निर्देश दिया कि वरासत और धारा-24 के प्रकरण का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराये। इसके साथ ही जन्म प्रमाण पत्र भी प्राथमिकता के आधार पर निर्गत करे। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत प्रतिनिधि उपेन्द्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष भाजपा विपिन सिंह, डीएफओ पुष्प कुमार के0, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, समस्त उपजिलाधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारीगण, कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर एवं अधिशासी अभियन्ता आदि उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत हुलासखेड़ा में विकास कार्यों का शिलान्यास

● .....ब्लॉक प्रमुख मां श्री ओम प्रकाश शुक्ला विंदेश्वरी ने किया उद्घाटन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज (लखनऊ)। विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत हुलासखेड़ा के पचौरी गांव में शनिवार को ब्लॉक प्रमुख मां श्री ओम प्रकाश शुक्ला विंदेश्वरी जी ने क्षेत्र पंचायत निधि से कराए जाने वाले विकास कार्यों का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालय में एक वॉटर कूलर, अवधेश के घर से मेन रोड तक 160 मीटर लंबी इंटरलॉकिंग सड़क, तथा 200 मीटर लंबे नाले का शिलान्यास किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री राजेश पाण्डेय, श्री गोविंद तिवारी, बीडीसी अजीत कुमार, बीडीसी राममिलन, श्री रामसुख, बूथ अध्यक्ष सुनील दत्त तिवारी, डॉ. शिवबरन, विनोद साहू सहित बड़ी संख्या में गांव की सम्मानित जनता उपस्थित रही। ग्रामीणों ने ब्लॉक प्रमुख का स्वागत करते हुए विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया और आशा जताई कि इस तरह की योजनाएं गांव की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत बनाएंगी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम सभा परसिया चितावनपुर दिनांक 24-8-2025 को शाम 4:00 बजे मछुआ समुदाय के व्यक्तियों का मत्स्य विभाग सहकारी समिति के संगठन की चर्चा की जाएगी। सम्मानित ग्राम सभा परसिया के सदस्य समय से उपस्थित हो।

राजेश निषाद

संक्षिप्त खबरें

ब्रह्माकुमारी संस्था का रक्तदान शिविर 24 को

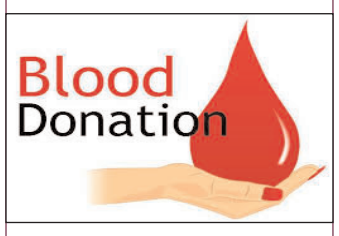

मथुरा। रिफाइनरी नगर सेवा केंद्र पर सदभावना चेरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग 24 अगस्त को रक्तदान शिविर का आयोजन ब्रह्माकुमारी संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। इसे संस्था द्वारा विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया जाएगा। यह जानकारी सेवा केंद्र प्रभारी बी. के कृष्णा और मीडिया प्रभारी आलोक कुमार ने देते हुए लोगों से इस रक्तदान शिविर में रक्तदान करके सफल बनाने का आवाह्न किया है।

क्षेत्रीय विधायक ने वृंदावन में बाढ पीड़ितों को बाटी राहत सामग्री

मथुरा/ मथुरा वृंदावन विधायक श्रीकांत शर्मा ने बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र में निरीक्षण किया पीड़ितों की हर संभव सहायता करने के विश्वास दिलाया बाढ़ चौकी गुरुकुल विश्वविद्यालय वृन्दावन में प्रशासन द्वारा सदर तहसीलदार जितेन्द्र कुमार चाहर, राजस्व निरीक्षक ईश्वरी प्रसाद व लेखपाल धर्मेन्द्र चौधरी एवं अन्य लेखपालगण व अधिकारी गणों के द्वारा बाढ़ पीड़ितों को राहत देते हुए राशन किट का वितरण किया गया, समारोह में सभी राशन किट प्राप्त कर बड़े खुश हुए, समारोह का संबोधन करते हुए विधायक द्वारा कहा गया कि सरकार द्वारा सभी बाढ़ पीड़ितों को पूरी मदद की जायेगी, तहसीलदार ने सभी को आश्वस्त किया कि जिस तरह अब तक आपको मदद मिलती रही है, आगे भी पूरी तरह से मदद मिलती रहेगी, सभी लेखपाल व राजस्व निरीक्षक रात दिन पूरी मेहनत कर बाढ़ चौकियों पर बाढ़ पीड़ितों की सेवा में लगे हुए हैं, प्रशासन हर आपदा में आपके साथ है, चन्द्रशेखर वर्मा मण्डल मीडिया प्रभारी उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ द्वारा बताया गया कि सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों व आम जनता द्वारा प्रसन्नता और सरकार की सहायता के लिए क्षेत्रीय विधायक और तहसीलदार का आभार व्यक्त किया।

130वां संविधान संशोधन बिल- गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस-विपक्ष पर बोला हमला

जयपुर/जोधपुर/नई दिल्ली । केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस और विपक्ष पर 130वें संविधान संशोधन बिल का विरोध करने पर निशाना साधा। शेखावत ने दो टूक कहा कि जो भ्रष्ट हैं, उन्हें ही 130वें संविधान संशोधन बिल से कष्ट है। शुक्रवार को अपने बयान में शेखावत ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जब लोकसभा में 130वां संविधान संशोधन बिल पेश किया तो कांग्रेस पार्टी और पूरा विपक्ष विरोध करने लगा। सिर्फ इसलिए, क्योंकि इन विधेयकों में प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री या किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के मंत्री को गंभीर आपराधिक आरोपों में लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार या हिरासत में रखने पर पद से हटाने का प्रावधान है। इस बिल ने साफ कर दिया है कि अब पीएम-सीएम या कोई भी मंत्री, जेल में रहते हुए सत्ता नहीं चला पाएगा। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि लेकिन, कांग्रेस और विपक्ष को ये 130वां संविधान संशोधन बिल नागवार गुजरा, क्योंकि इनलोगों की राजनीति ही घोटालों, जेल और जमानत के इर्द-गिर्द घूमती रही है। कांग्रेस पार्टी, जो दशकों से सत्ता के लिए हर तरह का हथकंडा अपनाती रही है, उसने इस बिल का विरोध कर ये साफ कर दिया कि उसे राजनीति में सुचिता नहीं चाहिए। उसे संविधान और संवैधानिक मूल्यों से कोई वास्ता नहीं है। शेखावत ने कहा कि पूरा देश देख रहा है उस फर्क को...जहां कांग्रेस कुर्सी के मोह के लिए अनैतिक विरोध कर रही है, जबकि भाजपा नैतिकता की राह पकड़ राजनीति में सुचिता ला रही है।

श्री वामन भगवान महोत्सव समिति का द्वितीय स्थापना दिवस धूमधाम से सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। शुक्रवार को श्री वामन भगवान महोत्सव समिति का द्वितीय स्थापना दिवस वृंदावन गेट, लाल दरवाजा स्थित माहेश्वरी धर्मशाला में बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के संरक्षण पंडित रामगोपाल शर्मा, गजेंद्र शर्मा, संजय पाराशर,उपाध्यक्ष विजय शर्मा, बंशी लाल शर्मा ,डॉ जमुना शर्मा , सरोज वशिष्ठ, एवं संस्थापक श्याम शर्मा ने श्री वामन भगवान के चित्रपट पर दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर समिति के संरक्षक पंडित रामगोपाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि समिति केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्रज की सांस्कृतिक धरोहर एवं सनातन परंपराओं के संरक्षण हेतु भी निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि शोभायात्रा, दीपदान और भजन संध्या जैसे आयोजन समाज में धार्मिक चेतना जगाने का माध्यम हैं।समिति के संस्थापक श्याम शर्मा ने कहा कि स्थापना दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि एक संकल्प का प्रतीक है। साथ ही आगामी 3 सितम्बर को दीपदान एवं भजन संध्या तथा 4 सितम्बर को होने वाली भव्य शोभा यात्रा की रूपरेखा पर भी प्रकाश डाला। इसी दौरान समिति की महामंत्री अर्जुन पंडित ने बताया कि समिति के संरक्षण, संस्थापक श्याम शर्मा एवं सभी पदाधिकारियों की सहमति से संजय हरियाणा को समिति का कार्यकारी अध्यक्ष तथा संजय पिपरौनिया को शोभायात्रा संयोजक मनोनीत किया गया है। वहीं महिला प्रकोष्ठ संगठन प्रभारी जमुना शर्मा एवं समिति की सलाहकार ने घोषणा की कि समिति की जिला अध्यक्ष सोनू गौड़ एवं महानगर अध्यक्ष श्री हरि वर्षा कौशल को आगामी तीन सितम्बर को होने वाले दीपदान एवं भजन संध्या कार्यक्रम का संयोजक नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त समिति के उपाध्यक्ष विजय शर्मा, आशीष शर्मा, कोषाध्यक्ष कुलदीप शर्मा एवं संगठन मंत्री सर्वेश चतुर्वेदी ने अतिथियों का दुपट्टा उड़ा कर भव्य स्वागत किया। अंत में समिति के कार्यकारी अध्यक्ष संजय हरियाणा एवं शोभायात्रा संयोजक संजय पिपरौनिया ने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री वामन भगवान की शोभायात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आस्था, संस्कृति और समाजिक एकता का प्रतीक है। इस वर्ष की शोभायात्रा अलौकिक और भव्य होगी, जिसमें ब्रज की संस्कृति, झांकियाँ, भजन संध्या, धार्मिक परंपराओं और संत-महात्माओं का दिव्य सान्निध्य मिलेगा। समिति के सभी कार्यकर्ता तन-मन-धन से लगकर इसे ऐतिहासिक बनाएंगे। हम चाहते हैं कि यह शोभायात्रा हर वर्ष ब्रज के धार्मिक कैलेंडर का प्रमुख पर्व बने और आने वाली पीढ़ियों को धर्म एवं संस्कृति से जोड़ने का माध्यम बने। संचालन समिति के मार्गदर्शक विनोद दीक्षित ने किया। इस अवसर पर गौरव कांत शर्मा ,वृंदावन नगर संयोजक विनीत द्विवेदी बृषभान गोस्वामी, विनोद गौड़,आचार्य निर्मल ,आचार्य लक्ष्मी कांत शास्त्री, चंद्र प्रकाश पाराशर, नीतू गोस्वामी,मुदिता शर्मा , विनीता द्विवेदी,सुनील शर्मा, शालनी पाराशर, राकेश गौड़, राजा दीक्षित, राकेश पाठक, नमन ओझा, शिव शंकर शर्मा, बीएल पांडे, आरती चतुर्वेदी, सुनीता उपाध्याय, विनोद पांडे आदि मौजूद थे।

इस बार बाढ़ नहीं आई, फिर भी मच गई तबाही!

●-बरसात से बढाई छतों पर रात गुजर रहे लोगों की मुसीबत

-एक दिन खतरे के निशान पर बही यमुना की धार, मच गया हाहाकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। यमुना का पानी घरों में घुस गया तो लोगों ने छतों पर डेरा डाल लिया। शनिवार को रुक रुक कर हुई बरसात ने लोगों की मुसीबत और बढ़ा दी। अब उनके पास यहां राहत शिविरों में जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। करीब पांच दिन तक लगातार यमुना जल में वृद्धि के बाद शुक्रवार की सुबह से यमुना के जलस्तर में गिरावट देखने को मिली। शनिवार को पानी और नीचे चला गया। जलभराव वाले स्थानों पर पानी लगातार कम हो रहा है। परिक्रमा मार्ग में पहुंचा यमुना का जल यमुना की ओर लौटने लगा है। यमुना को अपने भंडार में लौटते हुए देख कर लोगों ने राहत की सांस ली है। जिला प्रशासन की ओर से लगातार लोगों की मदद की जा रही है। जनप्रतिनिधियों अधिकारियों के साथ मल कर राहत सामग्री का वितरण कर रहे हैं। राहत शिविरों में रूके लोगों की सुविधओं का भी ध्यान रखा जा रहा है। यमुना के किनारे जनपद में 116 गांव ऐसे है, यमुना का जलस्तर बढने पर लोग सतर्क हो जाते हैं। इन पर प्रशासन की भी नजर रहती है। इस बार शेरगढ़ क्षेत्र के गांव बाबूगढ़ और बलदेव क्षेत्र के गांव अकोस ही प्रभावित हुए। दोनों गांवों के रास्ते बंद हो गये। जिला प्रशासन ने इन गावों में सुविधा दीं। इन गावों के रास्ते जलमग्न हुए लेकिन गावों में मकानों को नुकसान नहीं पहुंचा। जिलाधिकारी सीपी सिंह ने बाढ के दौरान ही अकोस गांव का दौरा किया और फ्लाईओवर बनाये जाने का ग्रामीणों की मांग को स्वीकार करते हुए समस्या के स्थाई समाधन की बात कही। फ्लाईओवर बनने के बाद गांव का रास्ता बाढ आने पर बंद नहीं होगा। वहीं दूसरी ओर मथुरा और वृंदावन की दर्जनभर कॉलोनियों की हालत बेहद खराब हो गई। यहां यमुना के पानी में घर घिर गये। कुछ लोग पलायन कर गये तो कुछ लोगों ने मकान की छतों पर डेरा जमा लिया। बाढ का पानी उतरने के बाद भी इन लोगों की समस्याएं कम होने वाली नहीं है। इनके सामने सबसे बडी मुसीबत यह है कि करीब करीब हर साल इन्हें इस तरह की समस्या से जूझना पडता है। यह हाल तब है जब यमुना में बाढ ही नहीं आई। यमुना खतरे के निशान से नीचे बह रही थी और दर्जन भर कॉलोनियां जलमग्न हो गई थीं। जिला प्रशासन की ओर से इन कॉलोनियों को लेकर ज्यादा प्रयास नहीं किये गये। अधिकारियों ने इन कॉलोनियों जाकर लोगों को सांत्वना भी नहीं दी और आगे इन्हें इस तरह की परेशानी से कैसे बचाया जाएगा इस पर भी कोई बात नहीं हुई। इन कॉलोनियों को नजरअंदाज करना ही बेहत समझा गया। इसकी वजह यह है कि यह भ्रष्टाचार और लापरवाही से पैदा हुई जनसमस्या है। जिससके जिम्मेदार इन कॉलोनियों के निवासी, अधिकारी और जनप्रतिनिधि सब है। समाधान होने की बजाय यह समस्या साल दर साल बढती जा रही है। अभी भी कुछ लोगों ने तो घर छोड़कर सुरक्षित ठिकानों पर डेरा डाला हुआ है। जबकि अधिकतर लोग घरों की छत पर रहकर ही गुजारा कर रहे हैं। जरूरत की खरीदारी करने के लिए वे नाव में बैठकर आवागमन कर रहे हैं। पूरे डूब क्षेत्र में नाव संचालन हो रहा है।

फिर उत्सवों के उल्ला ले डूबेगा ब्रज

●-राधा अष्टमी तक लगातार पड़ेंगे कई त्योहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाने के बाद कान्हा की नगरी एक बार फिर उत्सवों के उल्ला में डूबने को तैयार है। 26 से 31 अगस्त तक ब्रज में लगातार कई धार्मिक आयोजन होंगे। जिनमें बलदेव छट और राधाष्टमी के महत्वपूर्ण आयोजन भी शामिल हैं। भाद्रपद शुक्लपक्ष की अष्टमी यानी 31 अगस्त को राधाष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। मुख्य आयोजन रावल और बरसाना में होंगे। बरसाना में इस बार राधाष्टमी पर्व पर 15 से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। है। 29 अगस्त को राधा जी की सखी ललिता जी का जन्मदिन मनाया जाएगा। भाद्रपद शुक्लपक्ष की छठ को ऊचागांव में सिथत ललिता अटा अटोर नामक पहाड़ी पर बने भव्य ललिता मंदिर में दोपहर बारह बजे ललिता जी का अभिषेक होगा। प्रधान सखी के प्राकट्योत्सव पर ऊंचागांव में ललिता सखी का अभिषेक ब्रजाचार्य नारायण भट्ट के वंशजों द्वारा किया जाता है। इसी दिन ब्रज के राजा बलदेव का जन्मदिन बलदेव छट के रूप में धूमधाम से मनाया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम बलदेव स्थित दाउजी मंदिर पर आयोजित होगा। इस दिन कई जगह वायगीरों के मेला लगते हैं। भगवान बलभद्र को शेष अवतार कहा गया है। इस दिन सांप और अन्य विषैले जीवों के कोटे लोगों उपचार किया जाता है। 28 अगस्त को ऋषि पंचमी का पर्व मनाया जाएगा और इससे एक दिन पहले यानी 27 अगस्त को चट्टा चौथ यानी गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाएगा। गणेश पंडाल सजाए जाएंगे और गणपति बप्पा मोरिया के स्वरों से कान्हा की नगरी गूंज उठेगी। बाजार में गणेश जी की प्रतिमाएं सज गई है। आकर्षक प्रतिमाओं की खरीदारी शुरू हो गई है। वैदिक पंचांग के अनुसार, चतुर्थी तिथि का प्रारंभ 26 अगस्त को दोपहर 01 बजकर 54 मिनट पर होगा और इसका समापन 27 अगस्त की दोपहर 03 बजकर 44 मिनट पर होगा। चूंकि उदया तिथि मान्य होता है इसीलिए इस साल गणेश चर्तुथी का पर्व 27 अगस्त, बुधवार को मनाया जाएगा। हर साल गणेश विसर्जन अनंत चतुर्दशी के दिन होता है। इस साल यह 7 सितंबर, रविवार को होगा।

राधाष्टमी पर मथुरा डिपो चलाएंगा 165 रोडवेज बसे

●-बरसाना को 6 जोन व 18 सेक्टर में बांट होगी राधा अष्टमी की व्यवस्थाएं

-नगर पंचायत 500 सफाई कर्मचारी लगाकर बरसाना क्षेत्र को बनायेगी स्वच्छ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। कस्बे के राधाष्टमी महोत्सव की व्यवस्था 6 जोन व 18 सेक्टरों में बांटकर जिला प्रशासन व पुलिस द्वारा की जा रही हैं। जिससे राधाष्टमी मेला में आने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। जिलाधिकारी को एआरएम रोडवेज मदन मोहन शर्मा ने बताया कि रोडवेज की 165 बजें मथुरा से बरसाना के लिए चलेंगी। रोडवेज द्वारा मथुरा से 110 बसें , छाता से 5 बसें, कोसी से 10,वृन्दावन से 40 बसें चलेंगी। जिलाधिकारी ने बताया कि डग्गामार प्राइवेट वाहन चालक यात्रियों से अधिक किराया वसूल नहीं करेंगे। सीएमओ ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों 24 घंटे सेवाएं देंगे। मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। पुलिस के जवान आधा दर्जन वाच टावर के असामाजिक तत्वों पर नजर रखेंगे। मेला क्षेत्र के 6 स्थानों पर अग्निशमन कर्मी तैनात रहेंगे। असामाजिक तत्वों पर 160 सीसीटीवी कैमरा लगाकर निगरानी की जाएंगी। खोया- पाया केंद्र दो जगह लगेंगे। नगर पंचायत की ईओ डॉ. कल्पना वाजपेई ने बताया कि मेला क्षेत्र की 500 सफाई कर्मी लगाकर सफाई कराई जाएगी। ये सफाई कर्मी कस्बे को स्वच्छ बनाएंगे। पुलिस द्वारा सात कोबरा मोबाइल, पीएसी की दो कम्पनी के जवान यूपी पुलिस के साथ उपलब्ध रहेंगे। यात्रियों की सुविधा के जूते घर, खोया पाया केंद्र नगर पंचायत द्वारा खोले जाएं। पानी पीने के लिए वाटर कूलर 12 लगेंगे। कस्बे के कुडों पर एक दर्जन गोताखोर तैनात किये जाएंगे ताकि कोई भी श्रद्धालु स्नान करने के दौरान नहीं डूबे। मंदिर के रास्ते में कटारा पार्क से सिंह पौर तक 50 कूलर लगेंगे। 88 बैरियर व 50 पार्किंग स्थल बनाकर यात्रियों की सुविधा के लिए नगर पंचायत पार्किंग बनायेगी। प्रिया कुंड, वृषभान कुंड, प्रेम सरोवर, गहवर कुंड में बैरिकेटिंग लगाई जाएगी।

मोबाइल उगलेंगे गंदे काम के असली गुनहगारों के राज

●-सीओ सिटी की निगरानी में खंगाले जा रहे मोबाइलों में छिपे राज

-पुलिस ने शुक्रवार की रात दो स्पा सेंटरों से 19 युवक युवतियों को हिरासत में लिया था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। बैंक कॉलोनी, लिंक रोड स्थित हेवन स्पा सेंटर व कृष्णा नगर चौराहा के पास स्थित ब्लॉसम थाई स्पा एंड सैलून पर हुई कार्यवाही के बाद पॉश इलाके में चर्चा चल निकली हैं। लोगों का कहना है कि मोटी कमाई के लिए लोगों ने शहरी क्षेत्र में जगह जगह देह व्यापार के अड्डे खोल रखे हैं। पुलिस इस ओर कार्रवाई करने में कतरा रही है। कुछ समय पूर्व हाईवे पर स्थित एक प्लाजा में भी स्पा सेंटर पर पुलिस ने छापा मारा था। यहां बड़ी संख्या में युवक युवती मिले थे। बताया जा रहा है कि जिन लोगों को पकडा गया है उनमें एक स्पा सेंटर का संचालक भी है। इस पूरे मामले में पुलिस ने अभी चार युवक और 15 युवतियों सहित कुछ 19 लोगों को पकड़ा है। जबकि असली खिलाड़ी अभी भी पकड़ से दूर हैं। दोनों जगह पुलिस ने जाल बिछा कर कार्यवाही को अंजाम दिया। सूत्रों का कहना है कि पुलिस को अभी तक कुछ ऐसे सबूत मिले हैं जिससे इस काम को चलाने के लिए दोनों जगहों से कुछ लोगों को महीनेदारी दी जा रही थी। इन्हीं के संरक्षण में यह धंधा चल रहा था। पुलिस मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है जिससे कि अन्य स्थानों पर हो रहीं इस तरह की गतिविधियों तक भी पहुंचा जा सके। जिन लोगों को पकडा गया है उनसे पुलिस गहनता से पूछताछ कर रही है। उनके मोबाइलों की भी गहता से जांच की जा रही है। अधिकारी अभी इस मामले में अधिक कुछ बताने से बच रहे हैं। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि यदि इस तरह कोई कोई मामला आएगा, तो किसी को भी बक्शा नहीं जाएगा। अभी मोबाइल की जांच सीओ सिटी कर रही हैं।

डॉ. दलबीर सिंह कौन्तेय बने उत्तर प्रदेश फुटबॉल टीम के चयनकर्ता

●- मथुरा फुटबॉल संघ के सचिव एवं केआर पीजी कॉलेज के कीड़ा प्रभारी हैं डॉ.सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। 21, 22 एवं 23 अगस्त को एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम आगरा में उत्तर प्रदेश महिला फुटबॉल टीम टीम का चयन किया जाएगा। जिसमें पूरे प्रदेश भर से लगभग 80 खिलाड़ी ट्रायल के लिए सम्मिलित होंगे।

टॉक टू ट्रायल के आधार पर उत्तर प्रदेश टीम के कैंप हेतु जो की आगरा में ही 26 अगस्त से 2 सितंबर तक लगाया जाएगा जिसमें मथुरा फुटबॉल संघ के सचिव एवं केआर पीजी कॉलेज के कीड़ा प्रभारी डॉक्टर दलबीर सिंह कॉन्तेय को टीम के मुख्य चयनकर्ता के रूप में चयनित किया गया है। उत्तर प्रदेश महिला फुटबॉल टीम को चयन करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी डॉक्टर कॉन्तेय वह दी गई है। पूर्व में भी डॉक्टर दलबीर सिंह कौन्तेय विभिन्न खेलों में बड़ी बड़ी जिम्मेदारियां निभा चुके हैं एथलेटिक्स खेल में खेलो इंडिया ऑफिशियल राष्ट्रीय खेल में ऑफिशियल कॉमनवेल्थ एशियन गेम्स बड़ी प्रतियोगिता में भी महत्वपूर्ण भूमिका में रह चुके हैं। उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के महासचिव मोहम्मद शाहिद ने बताया कि सभी चयनित खिलाड़ी सीनियर फुटबॉल राष्ट्रीय चौंपियनशिप में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे सीनियर फुटबॉल चौंपियनशिप दिनांक 6 सितंबर से 13 सितंबर 2025 को अमृतसर पंजाब में आयोजित की जाएगी डॉक्टर दलबीर सिंह की इस उपलब्धि पर जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष एडवोकेट शकील अहमद महाविद्यालय के प्रोफेसर प्रवीण कुमार अग्रवाल महाविद्यालय के आर टी टी के प्राचार्य डॉक्टर कुलविंदर सिंह बग्गा डॉ जसवंत ठाकुर यादुराज सिंह यादव डॉक्टर धीरज चौधरी डॉक्टर पी सिंह डॉक्टर अनिल कुमार सक्सेना डॉ पंकज शर्मा जिला ओलंपिक संघ के सचिव महेंद्र सिंह राजपूत जिला एथलीट संघ के सचिव जय सिंह कबड्डी संघ के सुनील श्रीवास्तव गरीबदास रोहित नेगी विक्रम सोमेश हरदेव सिंह नितिन शर्मा ज्ञानेंद्र लोकेश गौतम हिमांशु मेहरा ने उनकी इस उपलब्धि पर इनको बधाई दी।

एनसीईआरटी की किताब में भरतपुर रियासत को बताया मराठा साम्राज्य का हिस्सा

●- कक्षा 8 की पुस्तक की गलती को सुधारने की मांग केन्द्रीय शिक्षा मंत्री से की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। एनसीईआरटी की कक्षा आठ की किबात में भरतपुर रियासत को मराठा साम्राज्य का हिस्सा बताया गया है। इस तथ्य ने विवाद खड़ा कर दिया है। लोगों का कहना है कि भरतपुर रियासत कभी भी मराठा साम्राज्य का हिस्सा नहीं रही। अखिल भारतीय जाट महासभा मथुरा द्वारा जिला अध्यक्ष राजेश चौधरी के नेतृत्व में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी के नाम ज्ञापन डीएम कार्यालय पर डिप्टी कलेक्टर ऊषा सिंह को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन एनसीईआरटी कक्षा 8 की पुस्तक में भरतपुर रियासत को मराठा साम्राज्य के अधीन दिखाए जाने के विरोध में दिया गया। जिला अध्यक्ष राजेश चौधरी ने बताया कि भरतपुर रियासत हमेशा स्वतंत्र रही थी। कभी भी किसी भी शासक का भरतपुर पर आधिपत्य नहीं हुआ। इतिहास की भूल सुधार करने के लिए शिक्षा मंत्री से मांग की। जिला उपाध्यक्ष रामवीर सिंह चौधरी ने इतिहास से छेड़छाड़ करने का विरोध करते हुए कहा कि जाट समाज कभी भी अपमान को नहीं सहता। ज्ञापन देने वालों में शिवराज सिंह प्रदेश सचिव, उमाशंकर सिंह अधिवक्ता, देशवीर सिंह महासचिव, विक्रम सिंह अध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ, मान पाल सिंह महासचिव, नेपाल सिंह, इंद्रजीत मीडिया प्रभारी, महासचिव, दिगंबर सिंह, रालोद के पूर्व जिला अध्यक्ष दीपक चौधरी, भूप राम पहलवान, परशौती जिला महासचिव, विनोद फौजदार, डॉ. जयकुमार, मुरारी लाल, सतवीर सिंह, उदयवीर सिंह, बचन पहलवान, हरिओम, हाकिम सिंह, रणवीर सिंह, हेमराज सिंह, सुरेंद्र सिंह, सतीश नौहवार, ओमप्रकाश चौटाला, विजयपाल सिंह, रतनेश, बाबू लाल मगोर्रा आदि उपस्थित रहे।

राधाष्टमी पर 15 लाख श्रद्धालुओं के बरसाना पहुंचने का अनुमान

●-जिलाधिकारी, एसएसपी ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। राधाष्टमी पर्व को लेकर डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा के साथ निभाएं। उन्होंने स्थानीय गोस्वामी समाज और निवासियों से भी अपील की कि वे प्रशासन का सहयोग करें, ताकि यह महोत्सव शांतिपूर्ण और सफल ढंग से संपन्न हो सके। जिलाधिकारी श्री सिंह ने बताया कि इस वर्ष 31 अगस्त को राधाष्टमी के पावन पर्व पर 15 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसे देखते हुए मंदिर को जाने वाले सभी मार्ग वन वे रहेंगे। कस्बे में सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश राधाष्टमी से एक दिन पहले 30 अगस्त की सुबह से ही बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने एसडीएम गोवर्धन, नगर पंचायत की ईओ और स्थानीय पुलिस को कस्बे के मंदिर मार्गों की जर्जर भवनों को ढाहने के आदेश दिए। गोवर्धन से बरसाना, छाता से बरसाना, कामां से राधाबाग मार्ग होकर बरसाना, कोसी नंदगांव से बरसाना मार्गों के किनारे बबूल की झाड़ियों का कटान करने के आदेश दिए। उन्होंने पार्किंग स्थलों का समतलीकरण नगर पंचायत को करने के आदेश दिए। उन्होंने एमवीडीए के अधिकारियों को गहवरवन परिक्रमा मार्ग में लाइटिंग व्यवस्था दुरुस्त करने के आदेश दिए। मेला के संबंध में उन्होंने स्थानीय लोगों से सुझाव मांगे। उनकी समस्याओं को सुन बेहतर व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि मेला में आने वाले यात्रियों के पर्याप्त पुलिस फोर्स लगाई जाएगी। मेला के प्रत्येक जोन और सेक्टर की जिम्मेदारी अलग अलग अधिकारियों को सौंपी गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। यह विभाजन भीड़ प्रबंधन में सहायक होगा और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करेगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष अपने खर्चे पर गावों से निकलवा रहे पानी

●-जिला प्रशासन फौरी राहत देने में रहा है नाकाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। जलभराव की समस्या से जूझ रहे गावों को जिला प्रशासन फौरी राहत नहीं दे सका है। अब जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने निजी खर्चे पर अलग अलग गावों से पहुंच रहे लोगों की मांग काम करने की बात कही है। बरसात के कारण ग्रामीण अंचलों में खेतों में जलभराव, गांवों के संपर्क मार्गों में हुए जलभराव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने स्वयं के निजी खर्चे पर कई पम्प सेट और वर्मा सेट कई ग्राम पंचायतों में लगवाने का कार्य शुरू करवा दिया है। उनके निर्देश पर जिपंअ प्रतिनिधि देवी सिंह (डीएम) ने पैंठा ग्राम पंचायत, ग्राम पंचायत बछगांव, नगला सबला बेरू गुलाल ग्राम, सोन ग्राम पंचायत, ग्राम पंचायत लालपुर, ग्राम पंचायत पाली बधार, भूरिया नगला, नगला छिंगा आदि ग्राम पंचायतों में जल निकासी के लिए पम्प सेट और वर्मा सेट लगावा दिए है, जहां निरंतर जल निकासी का कार्य जारी है। जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने ग्रामीणों से कहा आपकी हर समस्या मेरी है आपका हर दुख-दर्द मेरा है, मैं आपके साथ खड़ा हूं। आपको कोई भी समस्या हो बेझिझक बताओं। किसानों की गेंहू की फसल की बुवाई में देरी ना हो और किसी भी किसान की बुवाई के बिना ज़मीन रह ना जाये उसके लिए पानी निकासी की समस्या का समाधान कराया है। देवी सिंह उर्फ डीएम ने बताया कि भारी बारिश होने के कारण खेतों में जलभराव और गांवों के रास्ते पानी भरने से रूक गए थे, जलभराव की समस्या से ग्रामीण परेशान चल रहे थे, जिसकी शिकायत लेकर ग्राम प्रधान और ग्रामीण जनता दर्शन में पहुंचे थे, जिसका निदान जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपनी निजी खर्चे पर करवाया है।